website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 353 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 29 नवंबर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

वंदे मातरम से SIR और परमाणु ऊर्जा तक:
संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार को घेरने की तैयारी में विपक्ष

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र सोमवार, 1 दिसंबर से शुरू होने जा रहा है। 19 दिसंबर तक चलने वाले इस संक्षिप्त सत्र को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। जहां सरकार इस दौरान कई अहम विधेयक पारित कराने की तैयारी में है, वहीं विपक्ष ने सरकार को घेरने के लिए अपनी रणनीति तय कर ली है। वंदे मातरम, मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण अभियान (SIR), परमाणु ऊर्जा, उच्च शिक्षा, बेरोजगारी और प्रदूषण जैसे मुद्दों पर सत्र के हंगामेदार रहने के आसार हैं।

SIR पर विपक्ष का साझा विरोध

तृणमूल कांग्रेस (TMC), द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (DMK) और समाजवादी पार्टी (SP) ने मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण अभियान यानी SIR का विरोध करने का फैसला किया है। विपक्ष का आरोप है कि SIR के जरिए मतदाता सूचियों में गड़बड़ी की जा रही है। खासतौर पर पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में इसे आगामी चुनावों से जोड़कर देखा जा रहा है।

सरकार 10 अहम विधेयक पारित कराने की तैयारी में

सरकार इस शीतकालीन सत्र में परमाणु ऊर्जा, उच्च शिक्षा, कॉरपोरेट कानून से जुड़े करीब 10 अहम विधेयक पारित कराने की योजना बना रही है। इनमें भारतीय उच्च शिक्षा आयोग से जुड़े प्रस्ताव और परमाणु ऊर्जा से संबंधित

बदलावों को अहम माना जा रहा है।

सरकार की रणनीति को दिया गया अंतिम रूप

सत्र से पहले बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर वरिष्ठ मंत्रियों की बैठक हुई, जिसमें सत्र की रणनीति को अंतिम रूप दिया गया। वहीं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इसमें विपक्ष से सदन को सुचारु रूप से चलाने की अपील की जाएगी।

वंदे मातरम पर भी होगी चर्चा

सरकार इस सत्र में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर उसके संपूर्ण पाठ को लेकर चर्चा कराने की तैयारी में है। प्रधानमंत्री पहले ही कह चुके हैं कि 1937 में कांग्रेस द्वारा वंदे मातरम की कुछ पंक्तियां हटाने से देश के विभाजन की नींव पड़ी। सरकार ने साफ किया है कि वह हर विषय पर खुली चर्चा को तैयार है।

SIR पर सरकार का सख्त रुख

सरकार का कहना है कि SIR पूरी तरह चुनाव आयोग की प्रक्रिया का हिस्सा है और इस पर संसद में चर्चा नहीं हो सकती। सरकार के अनुसार, इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश भी आ चुके हैं। इससे पहले मानसून सत्र में SIR को लेकर भारी हंगामा हुआ था, जिसके चलते सदन की कार्यवाही प्रभावित हुई थी।

ममता बनर्जी के आरोप, विपक्ष का आक्रमक रुख

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने SIR को लेकर केंद्र सरकार पर साजिश का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मतदाता सूची में गड़बड़ी और बूथों की संख्या गलत तरीके से बढ़ाई जा रही है। वहीं, डीएमके ने इसे तमिलनाडु चुनाव से पहले की रणनीति करार दिया है। समाजवादी पार्टी भी संसद में इस मुद्दे पर जोरदार विरोध की तैयारी में है।

इन मुद्दों पर भी सरकार को घेरने की योजना

SIR के अलावा विपक्ष परमाणु ऊर्जा विधेयक, भारतीय उच्च शिक्षा आयोग बिल, चंडीगढ़ से जुड़े प्रस्तावित संविधान संशोधन विधेयक, दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर भी सरकार को कठघरे में खड़ा करने की तैयारी में है। ऐसे में संसद का यह शीतकालीन सत्र बेहद अहम और सियासी रूप से चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है।

पुतिन के भारत दौरे का पूरा शेड्यूल आया सामने,
PM मोदी के साथ किन-किन से करेंगे मुलाकात?

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस साल दिसंबर में भारत दौरे पर आने वाले हैं। उनके दौरे को लेकर पूरा शेड्यूल सामने आ गया है। पुतिन 4 और 5 दिसंबर को भारत में रहेंगे। इस दौरान वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात करेंगे। पुतिन का यह दौरा कई मायनों में बेहद अहम माना जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब भारत-रूस संबंधों को लेकर वैश्विक राजनीति में हलचल बनी हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद पुतिन को भारत आने का निमंत्रण दिया था। इस दौरे के दौरान पुतिन 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। क्रेमलिन ने भी पुष्टि की है कि भारत दौरे की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। माना जा रहा है कि इस यात्रा से दोनों देशों के बीच रणनीतिक और कूटनीतिक रिश्तों को और मजबूती मिलेगी।

चीन में SCO समिट के दौरान हुई थी मोदी-पुतिन की मुलाकात

अगस्त महीने में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के मॉस्को दौरे के दौरान पुतिन के भारत आगमन की घोषणा की गई थी, हालांकि तब दौरे की तारीखों का खुलासा नहीं हुआ था। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की मुलाकात शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (SCO) समिट के मौके पर चीन में हुई। दोनों नेताओं ने पुतिन की लिमोजिन में करीब एक घंटे तक बंद कमरे में बातचीत की थी, जिसे कूटनीतिक रूप से काफी अहम माना गया।

रूस से तेल खरीदने पर अमेरिका ने लगाया था टैरिफ

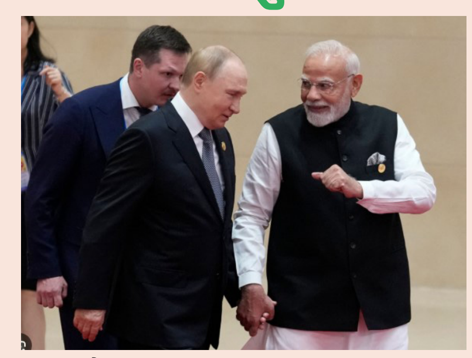

भारत और रूस की बढ़ती नजदीकी अमेरिका को रास नहीं आ रही है। रूस से कच्चा तेल खरीदने के चलते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया था और इसे लेकर कई सख्त बयान भी दिए थे। हालांकि हाल के महीनों में ट्रंप के रुख में नरमी देखने को मिली है। टैरिफ के दबाव के बावजूद भारत अपने रुख पर कायम रहा और रूस के साथ अपने रणनीतिक संबंध बनाए रखे।

भारत दौरे पर किन-किन से मिलेंगे पुतिन

पुतिन के तय कार्यक्रम के मुताबिक वे भारत में रहते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे। इस दौरान भारत और रूस के बीच रक्षा सौदों, ऊर्जा सहयोग और वैश्विक मुद्दों पर भी बातचीत होने की संभावना है। हालांकि डिफेंस डील को लेकर फिलहाल किसी तरह की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। पुतिन का यह दौरा भारत-रूस संबंधों को नई दिशा देने वाला माना जा रहा है।

पार्टी स्थापना दिवस पर चिराग पासवान का बड़ा बयान
-बोले— नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ा, अगले 5 साल गठबंधन मजबूत करेंगे

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने पार्टी के 25वें स्थापना दिवस के मौके पर बड़ा राजनीतिक संदेश दिया है। खराब तबीयत के कारण वह कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके और ऑडियो कॉल के माध्यम से कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। पार्टी नेता अरुण भारती ने बताया कि चिराग पासवान की तबीयत ज्यादा बिगड़ गई थी, जिसके चलते वह एयरपोर्ट से ही वापस लौट आए।

'पिता रामविलास पासवान के सपने आज पूरे हुए'

ऑडियो कॉल पर चिराग पासवान ने कहा कि डॉक्टरों ने संक्रमण के खतरे को देखते हुए उन्हें बाहर जाने से मना किया है। उन्होंने कहा, "हमारे पिता और पार्टी के संस्थापक स्वर्गीय रामविलास पासवान ने जो सपने देखे थे, आज वह पूरे हो रहे हैं। पार्टी के 19 विधायक मंच से बिहार के विकास का संकल्प ले रहे हैं।" उन्होंने इसे पार्टी के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया।

विधायकों को दिए साफ निर्देश

चिराग पासवान ने पार्टी के सभी विधायकों को निर्देश देते हुए कहा कि वे सिर्फ अपने क्षेत्र तक सीमित न रहें, बल्कि पूरे बिहार के हर जिले की जनता की सुख-सुविधाओं और विकास पर ध्यान दें। साथ ही उन्होंने केंद्रीय मंत्री संजय सिंह और संजय पासवान को भी कहा कि वे अपने-अपने विभागों के साथ-साथ अन्य विभागों के माध्यम से आम जनता को अधिकतम लाभ दिलाने पर फोकस करें।

'अगले पांच साल गठबंधन के साथ बिहार को आगे बढ़ाना है'

चिराग पासवान ने नीतीश कुमार के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा, "नीतीश कुमार के नेतृत्व में हमने चुनाव लड़ा और बेहतर परिणाम आए। डबल इंजन सरकार को मजबूती मिली, जिससे जनता का भरोसा और बढ़ा।" उन्होंने कहा कि जनता ने महागठबंधन और जंगलराज को साफ नकार दिया है। अब आने वाले पांच साल में गठबंधन के साथ मिलकर बिहार को विकास की राह पर आगे ले जाना है, जिसके लिए संगठन को और मजबूत करना जरूरी है।

दिल्ली में फिल्म '120 बहादुर' टैक्स फ्री, फरहान अख्तर ने सीएम रेखा गुप्ता का जताया आभार

नई दिल्ली । अभिनेता फरहान अख्तर की फिल्म '120 बहादुर' 21 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई थी। अब एक हफ्ते बाद फिल्म को दिल्ली में टैक्स फ्री कर दिया गया है। अपनी फिल्म को मिले इस रिस्पांस से फरहान अख्तर खुश हैं और उन्होंने दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता के इस फैसले पर खुशी जाहिर करते हुए आभार व्यक्त किया है। फरहान अख्तर ने इंस्टाग्राम पर '120 बहादुर' के टैक्स फ्री होने की जानकारी देते हुए पोस्ट किया है। फिल्म का पोस्टर शेयर कर उन्होंने लिखा, "दिल्ली में अब '120 बहादुर' टैक्स फ्री हो गई है। दिल्ली की माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी का उनके समर्थन के लिए आभारी हूं। उनके इस समर्थन से साहस की यह कहानी और भी दूर तक पहुंच जाएगी।" मतलब अगर आप शुक्रवार को फिल्म देखने के लिए टिकट खरीदेंगे तो टिकट के पैसे कम देने होंगे। ये फैसला उस वक्त लिया गया है, जब आज शुक्रवार को पर्दे पर 'गुस्ताख इश्क' और 'तेरे इश्क में' सिनेमाघरों में रिलीज हो रही हैं। इससे पहले दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार रात फिल्म को टैक्स फ्री करने का ऐलान किया था। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा था, "ऐतिहासिक युद्ध फिल्म 120 बहादुर, 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान रेजांग ला की लड़ाई में बहादुरी से लड़ने वाली 13 कुमाऊं रेजिमेंट की चार्ली कंपनी के 120 सैनिकों के असाधारण साहस, नेतृत्व और बलिदान को श्रद्धांजलि देती है।" उन्होंने लिखा, "यह फिल्म मेजर शैतान सिंह भाटी के प्रेरक नेतृत्व पर प्रकाश डालती है, जिनके कार्य और बलिदान भारत के सैन्य इतिहास में साहस के एक विशिष्ट प्रतीक हैं। वीर सैनिकों के सम्मान में दिल्ली सरकार ने 28 नवंबर से दिल्ली में इस फिल्म को कर-मुक्त करने का निर्णय लिया है। फिल्म के निर्माताओं को बधाई।"

भाई से मिलने नहीं दिया तो कोर्ट पहुंचीं इमरान खान की बहन, जज ने भी दी इजाजत नहीं; अब PTI उठाएगी सख्त कदम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) के प्रमुख इमरान खान को लेकर फैली मौत की अफवाहों ने देश की राजनीति में हलचल मचा दी। जैसे ही ये खबरें सामने आईं, उनकी बहन अलीमा खानम और खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल आफरीदी इमरान खान से मिलने रावलपिंडी स्थित अडियाल जेल पहुंचे, लेकिन जेल प्रशासन ने उन्हें इजाजत नहीं दी। इसके बाद दोनों नेताओं और PTI कार्यकर्ताओं ने गुरुवार (27 नवंबर, 2025) को जेल के बाहर धरना शुरू किया, जो शुक्रवार सुबह समाप्त हुआ। बाद में जेल प्रशासन ने साफ किया कि इमरान खान पूरी तरह स्वस्थ हैं और उनकी मौत की खबरें महज अफवाह हैं। इमरान खान अगस्त 2023 से अडियाल जेल में बंद हैं।

इस्लामाबाद हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर

भाई से मुलाकात की अनुमति न मिलने पर अलीमा खानम ने इस्लामाबाद हाईकोर्ट में अडियाल जेल के अधीक्षक और अन्य सरकारी अधिकारियों के खिलाफ अदालत की अवमानना याचिका दाखिल की। यह याचिका सोहेल आफरीदी और PTI के अन्य नेताओं की मौजूदगी में दायर की गई। याचिका में हाईकोर्ट के 24 मार्च के आदेश का हवाला दिया गया है, जिसमें इमरान खान से हफ्ते में दो बार मिलने की अनुमति दी गई थी। याचिका में आरोप लगाया गया है कि अदालत के आदेशों का जानबूझकर उल्लंघन किया गया। इसमें बताया गया कि मंगलवार और गुरुवार को मुलाकात की अनुमति के बावजूद अधिकारियों ने आदेशों को लागू नहीं किया। अलीमा खानम ने कहा कि अपने भाई की गिरफ्तारी के बाद से वह उनकी सुरक्षा, कानूनी अधिकारों और मानवीय व्यवहार को लेकर लगातार चिंतित रही हैं।

इन अधिकारियों को बनाया गया पक्षकार

अवमानना याचिका में अडियाल जेल के अधीक्षक अब्दुल गफूर अंजुम, सदर बेरोनी थाना प्रभारी राजा ऐजाज अजीम, संघीय गृह सचिव कैप्टन (सेवानिवृत्त) मोहम्मद खुर्रम आगा और पंजाब गृह विभाग के सचिव नूरुल अमीन को नामजद किया गया है।

संसद का सत्र नहीं चलने देगी PTI

इस बीच, इस्लामाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से मुलाकात न हो पाने को लेकर सोहैल आफरीदी ने सख्त रुख अपनाया है। दुनिया न्यूज टीवी के अनुसार आफरीदी ने कहा कि उन्हें यह संदेश मिला है कि मुख्य न्यायाधीश उनसे मुलाकात नहीं कर सकते। इसके बाद PTI ने फैसला किया है कि वह नेशनल असेंबली और सीनेट — दोनों का सत्र नहीं चलने देगी। इस फैसले से पाकिस्तान की राजनीति में और तनाव बढ़ने के आसार हैं।

व्हाइट हाउस के पास फायरिंग में एक नेशनल गार्ड की मौत, दूसरे की हालत गंभीर, सुरक्षा कड़ी

नई दिल्ली। अमेरिका के व्हाइट हाउस के नजदीक हुई गोलीबारी की घटना में बड़ा अपडेट सामने आया है। इस फायरिंग में घायल हुए दो नेशनल गार्ड जवानों में से एक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया है, जबकि दूसरे जवान की हालत गंभीर बनी हुई है। डॉक्टरों की टीम उसका इलाज कर रही है। घटना के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है। हालात को देखते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वॉशिंगटन डीसी में सुरक्षा बढ़ाने के लिए 500 अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती के आदेश दिए हैं।

अफगानिस्तान से इमिग्रेशन पर लगाई रोक

अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस हमले का संदिग्ध रहमानुल्लाह लकनवाल वर्ष 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिका आया था। इस घटना के बाद अमेरिका ने अफगान नागरिकों के इमिग्रेशन पर रोक लगा दी है। यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (USCIS) ने घोषणा की कि सुरक्षा और जांच प्रक्रियाओं की विस्तृत समीक्षा पूरी होने तक अफगानिस्तान से इमिग्रेशन पर अनिश्चितकालीन प्रतिबंध लगाया जा रहा है। USCIS ने कहा कि देश और नागरिकों की सुरक्षा ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

ट्रंप ने जताई सख्त प्रतिक्रिया

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक वीडियो संदेश में कहा कि थैंक्सगिविंग हॉलिडे की पूर्व संध्या पर व्हाइट हाउस के पास काम कर रहे नेशनल गार्ड के दो जवानों पर घात लगाकर हमला किया गया। ट्रंप ने कहा कि यह हमला हमारे पूरे राष्ट्र और मानवता के खिलाफ एक गंभीर अपराध है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

'हर एलियन की दोबारा होगी जांच'

ट्रंप ने यह भी साफ किया कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल के दौरान अफगानिस्तान से अमेरिका आए हर एलियन की दोबारा सख्ती से जांच की जाएगी। नेशनल गार्ड पर हुए हमले को लेकर राष्ट्रपति ने कहा कि होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट (DHS) का मानना है कि संदिग्ध 2021 में अफगानिस्तान की सीमा पार कर अमेरिका में दाखिल हुआ था। फिलहाल मामले की जांच जारी है और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट पर हैं।

एक बार फिर इन दो देशों में आए भूकंप के तेज झटके, प्रशासन अलर्ट

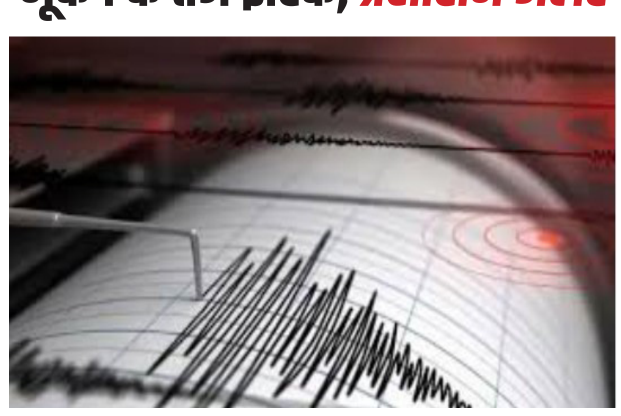

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के अलास्का राज्य में गुरुवार को एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (USGS) के अनुसार, गुरुवार सुबह 05:11 बजे GMT पर अलास्का के सुसिटना क्षेत्र में 6.0 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र सुसिटना से लगभग 14 किलोमीटर पश्चिम में स्थित था, जिसकी गहराई पृथ्वी की सतह से 80.4 किलोमीटर नीचे मापी गई। शुरुआती स्तर पर भूकंप की लोकेशन 61.57 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 150.78 डिग्री पश्चिमी देशांतर बताई गई। हालांकि, फिलहाल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई आधिकारिक सूचना सामने नहीं आई है।

इंडोनेशिया में भी डोली धरती, 6.2 तीव्रता का भूकंप

दूसरी ओर, इंडोनेशिया में भूकंप की गतिविधियां थमने का नाम नहीं ले रही हैं। गुरुवार को इंडोनेशिया के उत्तरी सुमात्रा के पश्चिमी तट पर 6.2 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। राहत की बात यह रही कि इस भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी जारी नहीं की गई। चीन की समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज (GFZ) के हवाले से बताया कि भूकंप का केंद्र 2.68 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 95.96 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था, जबकि इसकी गहराई लगभग 10 किलोमीटर दर्ज की गई।

बाढ़ और भूस्खलन से तबाही, 29 की मौत

भूकंप के अलावा इंडोनेशिया के उत्तरी सुमात्रा प्रांत में हाल ही में आई अचानक बाढ़ और भूस्खलन से हालात और भी गंभीर बने हुए हैं। डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसियों के अनुसार, इन प्राकृतिक आपदाओं में अब तक मरने वालों की संख्या बढ़कर 29 हो गई है। आपदा के चलते 400 से अधिक घर, कई पुल और सार्वजनिक ढांचे पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। वहीं, 7 हजार से ज्यादा लोगों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण लेनी पड़ी है। प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुटा हुआ है।

CM पद को लेकर सिद्धारमैया—शिवकुमार आमने-सामने,
कांग्रेस के सामने बढ़ी सियासी चुनौती

नई दिल्ली। कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर सियासी घमासान तेज होता जा रहा है। कांग्रेस के दो दिग्गज नेता—मौजूदा मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार—सीएम कुर्सी को लेकर आमने-सामने नजर आ रहे हैं। एक तरफ डीके शिवकुमार के समर्थक नेता और विधायक दिल्ली पहुंचकर पार्टी हाईकमान पर दबाव बना रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सिद्धारमैया भी अपने करीबी नेताओं के साथ ताकत दिखाने में जुटे हैं। ऐसे में कांग्रेस नेतृत्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती किसी ऐसे समाधान तक पहुंचना है, जिससे पार्टी में फूट न पड़े।

रणनीतिक लाइन से हटना नहीं चाहती कांग्रेस

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार जाति जनगणना और सामाजिक न्याय की बात करते रहे हैं। कांग्रेस की राजनीति परंपरागत रूप से दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों के समर्थन पर टिकी रही है। इस लिहाज से सिद्धारमैया को एक मजबूत और स्वीकार्य चेहरा माना जा रहा है, जो कांग्रेस की वैचारिक लाइन में भी अधिक फिट बैठते हैं।

पार्टी की छवि को लेकर हाईकमान सतर्क

डीके शिवकुमार के खिलाफ कई आपराधिक और भ्रष्टाचार से जुड़े मामले दर्ज हैं। कांग्रेस हाईकमान को आशंका है कि यदि केंद्र सरकार के संकेत पर पुराने मामलों की फाइलें दोबारा खोली गईं, तो शिवकुमार की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। पार्टी को डर है कि स्थिति दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जैसी बन सकती है। ऐसे में कांग्रेस अपनी साफ-सुथरी राजनीतिक छवि को खतरे में नहीं डालना चाहती।

विवादों से दूरी बनाना चाहती है पार्टी

डीके शिवकुमार का नाम पहले भी कई विवादों में आ चुका है। उन पर आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप लगे हैं और केंद्रीय एजेंसियों ने उनकी संपत्तियों पर छापेमारी भी की थी। इसके अलावा अवैध लेन-देन के मामले में उन्हें करीब 50 दिन जेल में भी रहना पड़ा था। हालांकि उस दौरान सोनिया गांधी उनसे मिलने जेल गई थीं, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व किसी ऐसे नेता को मुख्यमंत्री बनाकर नए विवादों में फंसने से बचना चाहता है।

हाईकमान के सामने असली मुश्किल क्या है?

हकीकत यह है कि सिद्धारमैया और डी के शिवकुमार, दोनों ही कर्नाटक की राजनीति में बड़े और प्रभावशाली चेहरे हैं। यदि हाईकमान सिद्धारमैया को आगे बढ़ाता है तो शिवकुमार गुट में असंतोष बढ़ सकता है। वहीं, अगर फैसला शिवकुमार के पक्ष में जाता है तो सिद्धारमैया समर्थकों में नाराजगी पैदा हो सकती है। ऐसे में कांग्रेस एक ऐसे संतुलित समाधान की तलाश में है, जिससे पार्टी एकजुट रहे और भविष्य में कमजोर नजर न आए।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

मतदाता सूची की शुचिता: लोकतंत्र की मजबूती की अनिवार्य शर्त

मतदाता सूचियों में शुचिता लोकतंत्र की बुनियाद को मजबूत करती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव कराना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी है कि हर पात्र नागरिक को बिना किसी भेदभाव के अपने मताधिकार का प्रयोग करने का अवसर मिले। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए निर्वाचन आयोग समय-समय पर मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण करता है, ताकि मृत, स्थानांतरित या अपात्र मतदाताओं के नाम हटें और नए पात्र नागरिकों के नाम जोड़े जा सकें। हाल के दिनों में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक विवाद गहराया है और विपक्ष द्वारा इसकी मंशा तथा क्रियान्वयन पर सवाल उठाए जा रहे हैं। विपक्ष की आपत्तियों के बीच निर्वाचन आयोग द्वारा तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधियों को बातचीत के लिए बुलाना इस बात का संकेत है कि संवैधानिक संस्थान संवाद के रास्ते खुले रखना चाहता है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी लगातार एसआइआर को लेकर केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग पर हमलावर हैं। उनका आरोप है कि इस प्रक्रिया के जरिए मतदाता सूचियों में मनमाने फेरबदल किए जा सकते हैं। पश्चिम बंगाल, राजस्थान सहित नौ राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों में एसआइआर लागू होने से यह बहस और व्यापक हो गई है। विपक्ष का दावा है कि प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव है और इसका राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की जा रही है। इस पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान कई राज्यों में बूथ लेवल अधिकारियों यानी बीएलओ की मौतों को भी बड़ा मुद्दा बनाया गया है। विपक्ष का आरोप है कि अत्यधिक कार्य दबाव, समयसीमा का तनाव और संसाधनों की कमी के कारण बीएलओ अपनी जान गंवा रहे हैं। यह एक गंभीर चिंता का विषय है, क्योंकि बीएलओ चुनावी व्यवस्था की रीढ़ होते हैं। हालांकि, जब तक प्रत्येक मामले की निष्पक्ष जांच न हो जाए, तब तक यह तय करना कठिन है कि इन मौतों का सीधा संबंध एसआइआर के कार्यदबाव से है या इसके पीछे अन्य व्यक्तिगत या परिस्थितिजन्य कारण भी मौजूद हैं। फिर भी, इन घटनाओं ने प्रशासनिक व्यवस्था में मानवीय पक्ष की अनदेखी की ओर ध्यान जरूर खींचा है। वस्तुतः चुनाव तभी लोकतंत्र का उत्सव बन पाते हैं जब पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और भरोसेमंद हो। मतदाता सूचियों की शुद्धता इसमें सबसे अहम भूमिका निभाती है। एक भी पात्र नागरिक का नाम यदि सूची से छूट जाए, तो यह उसके संवैधानिक अधिकार का हनन है, और यदि अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में बना रहे, तो यह चुनावी निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है। इस संतुलन को बनाए रखने की जिम्मेदारी बीएलओ पर होती है, जो घर-घर जाकर दस्तावेजों का सत्यापन करते हैं, बदलाव दर्ज करते हैं और समयबद्ध रिपोर्ट तैयार करते हैं। यह काम न तो आसान है और न ही केवल कागजी औपचारिकता, बल्कि इसमें शारीरिक श्रम के साथ-साथ मानसिक सजगता भी चाहिए। जब प्रशासनिक मशीनरी पर बड़े पैमाने पर जिम्मेदारी आती है, तो कार्यदबाव बढ़ना स्वाभाविक है।

संविधान दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का देशवासियों के नाम संदेश: लोकतंत्र, संविधान और कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनने का संकल्प

-26 नवंबर के ऐतिहासिक अवसर पर संविधान के आदर्शों को आत्मसात करने और अधिकारों के साथ कर्तव्यों के पालन का आह्वान

मेरे प्रिय देशवासियों,
नमस्कार!

26 नवंबर का दिन प्रत्येक भारतीय के लिए अत्यंत गौरव, आत्मसम्मान और लोकतांत्रिक चेतना से भरा हुआ दिन है। यही वह ऐतिहासिक तिथि है, जब 1949 में संविधान सभा ने भारत के संविधान को अंगीकार किया था। यह केवल एक तारीख नहीं है, बल्कि भारत के लोकतंत्र की आत्मा, हमारी स्वतंत्रता की रक्षा-कवच और देश के भविष्य की दिशा निर्धारित करने वाला आधार है। इसी ऐतिहासिक महत्त्व को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2015 में एनडीए सरकार ने 26 नवंबर को 'संविधान दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया, ताकि हर नागरिक संविधान के महत्व को समझे, उससे जुड़े और उसे अपने जीवन का मार्गदर्शक बनाए। भारत का संविधान एक पवित्र ग्रंथ की तरह है, जो समय के साथ-साथ देश के विकास, सामाजिक न्याय और एकता का सच्चा मार्ग दिखाता आया है। यह केवल कानूनों और धाराओं का संकलन नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के सपनों, संघर्षों और मूल्यों की अभिव्यक्ति है। संविधान ने हमें समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व और न्याय जैसे मूल आदर्श दिए हैं। यही वह शक्ति है, जिसने एक साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले व्यक्ति को भी देश के सर्वोच्च पद तक पहुंचने का अवसर दिया। मैं स्वयं इसका जीवंत उदाहरण हूं। एक गरीब परिवार से निकलकर प्रधानमंत्री बनने तक का मेरा सफर संविधान की ताकत को ही दर्शाता है। संविधान ने मुझे पिछले लगभग ढाई दशकों से विभिन्न दायित्वों में—मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में—देश की सेवा करने का अवसर दिया। यह लोकतंत्र की यही मजबूती है कि देश का प्रत्येक नागरिक, चाहे वह किसी भी पृष्ठभूमि से हो, अपनी मेहनत और संकल्प से आगे बढ़ सकता है। मुझे आज भी स्मरण है कि वर्ष 2014 में जब मैं पहली बार संसद भवन में प्रवेश

कर रहा था, तो संसद की सीढ़ियों पर माथा टेककर मैंने भारत के लोकतंत्र के इस महान मंदिर को नमन किया था। वहीं 2019 में, जब चुनाव परिणामों के बाद संसद के सेंट्रल हॉल में गया, तो सहज ही मैंने संविधान को अपने मस्तक से लगाया। वह क्षण मेरे लिए अत्यंत भावुक और प्रेरणादायक था, क्योंकि वह मुझे याद दिलाता है कि सत्ता संविधान की सेवक होती है, मालिक नहीं। संविधान दिवस हमें उन महान विभूतियों को स्मरण करने का अवसर देता है, जिनके अथक परिश्रम, दूरदृष्टि और त्याग से यह संविधान निर्मित हुआ। हम डॉ. राजेंद्र प्रसाद जैसे अध्यक्ष को याद करते हैं, जिन्होंने पूरे संतुलन और गरिमा के साथ संविधान सभा का संचालन किया। हम डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर को नमन करते हैं, जिनकी असाधारण बौद्धिक क्षमता, सामाजिक संवेदनशीलता और दूरगामी सोच ने संविधान को मजबूती प्रदान की। उन्होंने केवल कानूनों का ढांचा नहीं बनाया, बल्कि सामाजिक समानता और न्याय की आत्मा उसमें समाहित की। संविधान सभा में अनेक महान नेताओं के साथ-साथ प्रतिष्ठित महिला सदस्य भी थीं। उन महिलाओं ने अपने प्रखर विचारों, अनुभवों और दृष्टिकोण से संविधान को और अधिक समावेशी बनाया। यह तथ्य अपने आप में भारत की प्रगतिशील सोच को दर्शाता है, कि उस दौर में भी महिलाओं की भागीदारी को महत्व दिया गया।

संविधान के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का भाव मेरे जीवन में हमेशा रहा है। वर्ष 2010 में, जब संविधान के 60 वर्ष पूरे हुए थे, उस समय मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था। तब गुजरात सरकार की ओर से 'संविधान गौरव यात्रा' का आयोजन किया गया। उस यात्रा में संविधान की प्रतिकृति को एक हाथी पर विराजमान कर पूरे प्रदेश में ले जाया गया। मैंने स्वयं उस भव्य यात्रा का नेतृत्व किया। इसका उद्देश्य केवल आयोजन करना नहीं था, बल्कि जनता में यह भाव जागृत करना था कि संविधान हमारे लिए कितना पवित्र और महत्वपूर्ण है।

जब संविधान के 75 वर्ष पूरे हुए, तब यह अवसर हमारी सरकार के लिए ऐतिहासिक था। देशभर में विशेष अभियान चलाए गए, संसद का विशेष सत्र आयोजित हुआ और राष्ट्रव्यापी जागरूकता कार्यक्रम प्रारंभ किए गए। इन अभियानों के माध्यम से आम नागरिक, युवा, विद्यार्थी और विभिन्न वर्गों के लोग संविधान से जुड़े। यह अभियान एक जन-भागीदारी आंदोलन बन गया, जिसमें करोड़ों लोगों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई। इस वर्ष का संविधान दिवस कई दृष्टियों से और भी विशेष है। यह वर्ष सरदार वल्लभभाई पटेल और भगवान बिरसा मुंडा जी की 150वीं जयंती का वर्ष है। सरदार पटेल के नेतृत्व, दृढ़ इच्छाशक्ति और दूरदर्शिता ने देश के राजनीतिक एकीकरण को संभव किया। सैकड़ों रियासतों का भारत में विलय उनकी महान उपलब्धि है। उनकी यह सोच थी कि भारत एक मजबूत, एकीकृत और स्थिर राष्ट्र बने।

सरदार पटेल की वही प्रेरणा हमारी सरकार को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के निर्णय तक ले गई। अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद वहां भारत का संविधान पूरी तरह लागू हुआ और वहां के नागरिकों को संविधान द्वारा प्रदत्त सभी अधिकार समान रूप से प्राप्त हुए। इससे न केवल वहां विकास के नए रास्ते खुले, बल्कि सामाजिक न्याय और लोकतंत्र की जड़ें भी मजबूत हुईं। भगवान बिरसा मुंडा का जीवन हमें जनजातीय समुदाय के अधिकारों, गरिमा और सशक्तीकरण की प्रेरणा देता है। उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ संघर्ष किया और आदिवासी समाज के आत्मसम्मान को जागृत किया। उनका जीवन यह सिखाता है कि संविधान की आत्मा तभी जीवित रहती है, जब समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक उसका लाभ पहुंचे। इस वर्ष हम 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने का उत्सव भी मना रहे हैं। वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत की आत्मा का स्वर है। हर कालखंड में यह गीत हमारे स्वतंत्रता संग्राम का प्रेरणास्रोत रहा है। इसके शब्दों में हमारे सामूहिक संकल्प, एकता और देशप्रेम की गूंज आज भी सुनाई देती है। इसके साथ ही हम गुरु तेग बहादुर जी की शहादत के 350वें वर्ष को भी स्मरण कर रहे हैं। उनका जीवन और बलिदान हमें यह सिखाता है कि धर्म, स्वतंत्रता और मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए सर्वोच्च त्याग भी आवश्यक हो सकता है। उनकी शहादत भारतीय इतिहास का वह अध्याय है, जो आज भी हमें साहस, सहिष्णुता और मानवता का मार्ग दिखाता है।

संविधान दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं है, बल्कि यह आत्ममंथन का भी दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि अधिकारों के साथ कर्तव्य भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। बाबा साहेब अंबेडकर ने बार-बार कहा था कि संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो, यदि उसे लागू करने वाले अच्छे नहीं होंगे तो वह विफल हो जाएगा। इसलिए हमें कर्तव्यनिष्ठ नागरिक के रूप में अपने दायित्वों का पालन करना होगा। आज जब भारत 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर अग्रसर है, तब संविधान की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। संविधान हमें विविधता में एकता का सूत्र प्रदान करता है। अलग-अलग भाषाएं, संस्कृतियां, परंपराएं और विश्वास—इन सबको एक सूत्र में बांधकर संविधान भारत को एक राष्ट्र के रूप में सशक्त करता है। युवाओं से मैं विशेष रूप से कहना चाहता हूं कि संविधान को केवल किताबों तक सीमित न रखें। इसे अपने जीवन में उतारें। लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करें, कानून का पालन करें, सामाजिक सद्भाव बनाए रखें और देश के विकास में अपनी भूमिका निभाएं। यही संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

आज के इस पावन अवसर पर आइए हम सभी संकल्प लें कि हम संविधान की मर्यादा बनाए रखेंगे, उसके आदर्शों का पालन करेंगे और अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे। छुआछूत, भेदभाव, अन्याय और हिंसा के खिलाफ खड़े होकर हम एक समरस और सशक्त भारत का निर्माण करेंगे। संविधान दिवस हमें यह याद दिलाता है कि भारत केवल भौगोलिक सीमाओं का नाम नहीं, बल्कि एक साझा संकल्प है—एक ऐसा संकल्प जिसमें हर नागरिक की भूमिका है। जब हम संविधान को समझते हैं, उसका सम्मान करते हैं और उसके अनुसार आचरण करते हैं, तभी लोकतंत्र मजबूत होता है। अंत में, मैं आप सभी देशवासियों से आग्रह करता हूं कि संविधान दिवस को केवल औपचारिकता न बनाएं।

जय हिंद।
जय भारत।

स्कूलों में बच्चों की भावनाओं को व्यक्तिगत कमजोरी नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी समझने का समय अब आ चुका है

-कक्षा आधारित भावनात्मक सीख से बच्चों का मानसिक संतुलन, सहानुभूति और जीवन कौशल मजबूत होंगे

भारत का स्कूल शिक्षा तंत्र आज एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर खड़ा है, जहाँ शिक्षा की परंपरागत परिभाषा पर पुनर्विचार करना ज़रूरी हो गया है। लंबे समय तक स्कूलों का मूल उद्देश्य पाठ्यक्रम पूरा करना, अंकों की दौड़ में आगे रहना और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बच्चों को तैयार करना माना गया। लेकिन हाल के वर्षों में, विशेषकर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और लगातार सामने आ रही बच्चों की मानसिक-भावनात्मक चुनौतियों ने यह साफ कर दिया है कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं रह सकती। आज ज़रूरत इस बात की है कि बच्चे की भावनाओं, चिंताओं और मानसिक स्थिति को स्कूल व्यवस्था के केंद्र में रखा जाए—और वह भी केवल व्यक्तिगत काउंसलिंग तक सीमित होकर नहीं, बल्कि सामूहिक, कक्षा-आधारित और रोज़मर्रा की शिक्षा प्रक्रिया के नैसर्गिक हिस्से के रूप में।

बदलती दुनिया, बढ़ता दबाव

21वीं सदी का बच्चा एक बिल्कुल अलग दुनिया में जी रहा है। डिजिटल तकनीक, सोशल मीडिया, ऑनलाइन तुलना, जल्दी सफल होने की होड़, परिवारों का बदलता स्वरूप और करियर को लेकर असमंजस—ये सभी ऐसे कारक हैं जिनका सीधा असर बच्चे के मन पर पड़ता है। पहले जहाँ तनाव मुख्यतः परीक्षा या पढ़ाई से जुड़ा होता था, वहीं आज बच्चों पर सामाजिक स्वीकार्यता, पहचान, लोकप्रियता, बॉडी इमेज और भविष्य की अनिश्चितता जैसे अदृश्य दबाव भी बराबरी से हावी हैं। इसका नतीजा यह है कि कई बच्चे भीतर ही भीतर चिंता, अकेलापन, हीन भावना और असुरक्षा से जूझते रहते हैं, लेकिन उसे शब्दों में कह पाने की हिम्मत या भाषा नहीं जुटा पाते।

व्यक्तिगत काउंसलिंग की सीमाएं

यह सच है कि स्कूलों में काउंसलिंग सेवाएं बेहद महत्वपूर्ण हैं। गंभीर मामलों में प्रशिक्षित काउंसलर की भूमिका अनिवार्य हो जाती है। लेकिन अगर स्कूल यह मान लें कि बच्चों की भावनात्मक चुनौतियों का समाधान सिर्फ काउंसलर के कमरे में होकर ही संभव है, तो यह एक अधूरा और अव्यावहारिक नजरिया साबित होता है। भारत जैसे विशाल और विविध देश में, जहाँ अधिकांश स्कूलों में पर्याप्त संख्या में काउंसलर उपलब्ध नहीं हैं, वहाँ हर बच्चे को व्यक्तिगत सत्र देना व्यवहारिक भी नहीं। इसके अलावा, अनेक बच्चे काउंसलर के पास जाने से झिझकते हैं। उन्हें डर रहता है कि कहीं उन्हें "समस्या वाला बच्चा" न मान लिया जाए, या उनके साथी उन्हें अलग न समझने लगें। यह डर उन्हें चुप रहने पर मजबूर कर देता है।

सामूहिक भावनात्मक सीख का महत्व

यहीं से सामूहिक भावनात्मक सीख की अवधारणा सामने आती है। जब भावनाओं को कक्षा के भीतर, समूह संवादों, गतिविधियों और साझा अनुभवों के ज़रिये जगह दी जाती है, तो बच्चे यह समझने लगते हैं कि चिंता, डर, असफलता या उलझन कोई उनकी निजी कमजोरी नहीं है। यह जीवन के सामान्य अनुभव हैं, जो लगभग हर इंसान कभी न कभी महसूस करता है। कक्षा आधारित "वेलबीइंग चेक-इन", सर्कल टाइम चर्चाएं, समूह गतिविधियां और प्रतिबिंबात्मक अभ्यास बच्चों को अपनी भावनाएं पहचानने, उन्हें शब्द देने और दूसरों को ध्यान से सुनने का अवसर देते हैं। इससे भावनाओं को लेकर अपराधबोध या शर्म कम होती है।

शिक्षक की भूमिका: केवल पढ़ाने से आगे

इस पूरे बदलाव में शिक्षक की भूमिका सबसे अहम है। शिक्षक अब केवल विषय विशेषज्ञ नहीं रह जाते, बल्कि भावनात्मक मार्गदर्शक की भूमिका भी निभाते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि हर शिक्षक को पेशेवर काउंसलर बनना होगा, बल्कि इतना ज़रूर है कि वे बच्चों की बात सुनने, उनकी भावनाओं को मान्यता देने और सुरक्षित माहौल बनाने की संवेदनशीलता विकसित करें। जब शिक्षक कक्षा में यह स्पष्ट संदेश देते हैं कि सवाल पूछना, गलती करना, उलझन महसूस करना या मन भारी होना 'कमज़ोरी' नहीं है, तब बच्चे खुलकर सामने आते हैं।

भावनाओं को पैटर्न में समझना

सामूहिक दृष्टिकोण अपनाने का एक बड़ा लाभ यह है कि स्कूल बच्चों की चुनौतियों को व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामूहिक पैटर्न के रूप में समझ पाते हैं। उदाहरण के लिए, अगर एक-दो बच्चे परीक्षा के डर से परेशान हैं, तो इसे व्यक्तिगत चिंता मानकर नज़रअंदाज़ किया जा सकता है। लेकिन जब कक्षा में चर्चा के दौरान यह सामने आता है कि अधिकांश बच्चे प्रदर्शन के दबाव से जूझ रहे हैं, तो यह एक प्रणालीगत समस्या बन जाती है, जिस पर स्कूल स्तर पर रणनीति बनाई जा सकती है—जैसे मूल्यांकन के तरीकों में बदलाव, प्रेशर कम करने वाली गतिविधियां या माता-पिता के साथ संवाद।

सहपाठी समर्थन और सहानुभूति

समूह आधारित भावनात्मक गतिविधियों का एक और बड़ा लाभ है—पीयर सपोर्ट। बच्चे कई बार बड़ों की तुलना में अपने साथियों की बातों से अधिक जुड़े महसूस करते हैं। जब उन्हें यह पता चलता है कि उनका दोस्त भी वही डर या वही उलझन महसूस कर रहा है, तो उनमें अपनापन और सहयोग की भावना विकसित होती है। इस प्रक्रिया में सहानुभूति, सक्रिय सुनना और सहयोग जैसे जीवनभर काम आने वाले कौशल विकसित होते हैं। बच्चे यह सीखते हैं कि केवल अपनी बात कहना नहीं, बल्कि दूसरों की भावनाओं को समझना भी उतना ही ज़रूरी है।

डिजिटल युग की चुनौतियां और स्कूल की जिम्मेदारी

डिजिटल युग ने बच्चों की भावनात्मक दुनिया को और जटिल बना दिया है। सोशल मीडिया पर लगातार तुलना, 'परफेक्ट' दिखने का दबाव और ऑनलाइन बुलीइंग जैसी समस्याएं कई बच्चों में आत्मसम्मान की कमी और चिंता बढ़ा रही हैं। इन मुद्दों को केवल व्यक्तिगत मोबाइल प्रतिबंध या अनुशासन की दृष्टि से देखने के बजाय, यदि स्कूल सामूहिक संवाद के माध्यम से बच्चों को डिजिटल

प्रवासी पंछियों की घटती उड़ान पर्यावरण के लिए गंभीर चेतावनी है, संरक्षण के लिए अब ठोस और तत्काल कदम उठाने होंगे

-राजस्थान में प्रवासी पक्षियों की सुरक्षा केवल प्रजातियों का नहीं, पूरे पारिस्थितिकी तंत्र का सवाल है

सर्दियों का मौसम आते ही राजस्थान के रेगिस्तान, झीलें, जलाशय और आर्द्रभूमियाँ एक अनोखी चहल-पहल से भर जाती थीं। साइबेरिया, मंगोलिया, मध्य एशिया और यूरोप के दूर-दराज़ इलाक़ों से उड़ान भरकर आने वाले प्रवासी परिंदे इन क्षेत्रों को कुछ महीनों के लिए अपना ठिकाना बनाते थे। खुला आसमान, शांत जल स्रोत, भरपूर भोजन और सुरक्षित वातावरण—ये सभी वजहें राजस्थान को पक्षियों के लिए पसंदीदा बनाती थीं। लेकिन अब यह दृश्य धीरे-धीरे धुंधला पड़ता जा रहा है। प्रवासी पक्षियों की संख्या लगातार घट रही है और यह केवल पक्षियों के अस्तित्व का संकट नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरण और भविष्य पर मंडरा रहा गंभीर खतरा भी है। आज हालात यह हैं कि कभी जैसलमेर, बाड़मेर, चूरू, बीकानेर, सांभर, फलौदी, तालछापर और केवलादेव जैसे इलाक़े प्रवासी पक्षियों के कलरव से गूंजते थे, वहीं अब वहां सन्नाटा बढ़ता जा रहा है। इन परिंदों की उड़ान का रुकना एक चेतावनी है—ऐसी चेतावनी जिसे अगर समय रहते नहीं समझा गया, तो इसके दुष्परिणाम केवल प्रकृति तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि मानव जीवन को भी गहराई से प्रभावित करेंगे।

पक्षियों की घटती संख्या: चिंता क्यों?

प्रवासी पक्षी हमारे पारिस्थितिकी तंत्र की बेहद अहम कड़ी हैं। वे कीटों की संख्या नियंत्रित करते हैं, बीज फैलाने में मदद करते हैं और जल-पर्यावरण को संतुलित बनाए रखने में योगदान देते हैं। किसी इलाके में पक्षियों की मौजूदगी उस क्षेत्र की पर्यावरणीय सेहत का संकेत मानी जाती है। अगर पक्षी सुरक्षित हैं, तो समझा जाता है कि पानी, हवा और भोजन श्रृंखला भी सुरक्षित है। लेकिन अगर वही पक्षी मरने लगें या आना छोड़ दें, तो यह साफ इशारा है कि पर्यावरण गंभीर संकट में है। राजस्थान में प्रवासी पक्षियों की मौत का ताज़ा उदाहरण जैसलमेर में देखने को मिला, जहां बड़ी संख्या में मृत पक्षी पाए गए। इसे केवल किसी स्थानीय समस्या या एक-दो दुर्घटनाओं का नतीजा मानकर नज़रअंदाज़ करना बड़ी भूल होगी। यह घटना दरअसल उस व्यापक पर्यावरण संकट का संकेत है, जो धीरे-धीरे हमारे सामने खड़ा हो रहा है।

मौत के बढ़ते कारण

आज प्रवासी पक्षियों के सामने सबसे बड़ा खतरा मानव-निर्मित संरचनाओं से है। रेगिस्तान में बिछे बिजली के खुले तार, हाई-टेंशन लाइनें, ट्रांसफार्मर और विंड एनर्जी से जुड़े ढांचे पक्षियों के लिए "मौत का जाल" बनते जा रहे हैं। लम्बी उड़ान के दौरान थके-हारे पक्षी अक्सर इन तारों से टकरा जाते हैं या करंट की चपेट में आ जाते हैं। खासकर बड़े आकार के पक्षी, जिनके पंख फैलाव ज्यादा होते हैं, उनके लिए ये तार जानलेवा साबित हो रहे हैं। इसके अलावा, जैसलमेर-बाड़मेर क्षेत्र में तेजी से फैल रहे सोलर और विंड एनर्जी प्रोजेक्ट भी एक बड़ा कारण बन चुके हैं। नवीकरणीय ऊर्जा ज़रूरी है, लेकिन बिना पर्यावरणीय संतुलन के किए गए विकास के अपने खतरे हैं। सोलर पैनलों का विशाल विस्तार पक्षियों के प्राकृतिक आवास को नष्ट कर रहा है। कई बार चमकते पैनल पानी का भ्रम पैदा करते हैं, जिससे पक्षी तेज़ी से नीचे उतरते हैं और घायल हो जाते हैं या अपनी जान गंवा बैठते हैं। एक और गंभीर वजह है मृत पशुओं का खुले में पड़ा रहना। ग्रामीण और सरहदी इलाकों में पशुओं के शवों का वैज्ञानिक निस्तारण न होने के कारण गिद्ध, चील, बाज़ और अन्य मांसाहारी पक्षी वहां आकर्षित होते हैं। इन शवों के आसपास बिछे बिजली के तार और ट्रांसफार्मर उनके लिए घातक साबित होते हैं। कई पक्षी करंट लगने से मर जाते हैं, तो कई तारों से टकराकर घायल हो जाते हैं।

बीमारियाँ और प्रदूषण

पिछले वर्षों में सांभर झील में प्रवासी परिंदों की बड़े पैमाने पर बीमारी से मौत की घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। जल प्रदूषण, बढ़ती क्षारीयता और औद्योगिक अपशिष्ट के कारण वहां का पारिस्थितिकी तंत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ। नतीजा यह हुआ कि हजारों पक्षियों की जान चली गई। यह घटना इस बात का सबूत थी कि अगर हम अपने जल स्रोतों और आर्द्रभूमियों की देखभाल नहीं करेंगे, तो प्रकृति हमें भारी कीमत चुकाने पर मजबूर करेगी। झीलों और तालाबों में रासायनिक कचरे का रिसाव, प्लास्टिक का बढ़ता उपयोग और जल स्तर में लगातार गिरावट प्रवासी पक्षियों के लिए बड़ा खतरा है। स्वच्छ पानी और पर्याप्त भोजन के बिना वे यहां टिक ही नहीं सकते।

काग़ज़ों तक सीमित संरक्षण योजनाएँ

सरकारी स्तर पर प्रवासी पक्षियों के संरक्षण को लेकर योजनाएँ और घोषणाएँ तो बहुत होती हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत अक्सर निराशाजनक रहती है। अधिकतर प्रयास काग़ज़ों तक सीमित रह जाते हैं। न तो पर्याप्त रेस्क्यू सेंटर मौजूद हैं और न ही आपातकालीन इलाज की समुचित व्यवस्था। घायल या बीमार पक्षी समय पर इलाज न मिलने के कारण दम तोड़ देते हैं। अगर जैसलमेर, बाड़मेर जैसे संवेदनशील इलाकों में पहले से ही आपात रेस्क्यू सेंटर होते, प्रशिक्षित स्टाफ मौजूद होता और वन विभाग, बिजली विभाग व स्थानीय प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल होता, तो बड़ी संख्या में पक्षियों की जान बचाई जा सकती थी।

सोलर ऊर्जा और पर्यावरण संतुलन

जैसलमेर-बाड़मेर आज सोलर ऊर्जा के हब के रूप में उभर रहे हैं। यहां बड़े-बड़े सोलर प्लांट लग रहे हैं, जो देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। नवीकरणीय ऊर्जा भविष्य की जरूरत है, इसमें कोई दो राय नहीं। लेकिन इसके साथ-साथ यह भी ज़रूरी है कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन रखा जाए। कम से कम पक्षियों के पसंदीदा इलाकों, जल स्रोतों और पारंपरिक उड़ान मार्गों को सोलर और विंड प्रोजेक्ट्स से दूर रखा जाना चाहिए। हाई-रिस्क ज़ोन में बिजली की लाइनों को भूमिगत किया जा सकता है या उन पर बर्ड-डाइवर्टर लगाए जा सकते हैं, ताकि पक्षी दूर से ही उन्हें पहचान सकें।

क्या करने होंगे ठोस उपाय?

प्रवासी पक्षियों की सुरक्षा के लिए अब आधे-अधूरे कदमों से काम नहीं चलेगा। इसके लिए ठोस, दीर्घकालिक और व्यावहारिक उपाय अपनाने होंगे। सबसे पहले, संवेदनशील इलाकों की पहचान कर वहां विशेष संरक्षण क्षेत्र घोषित किए जाएँ। बिजली विभाग और ऊर्जा कंपनियों को पक्षी-अनुकूल तकनीक अपनाने के लिए बाध्य किया जाए।

मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली में फिक्की के 98वें वार्षिक सम्मेलन को किया सम्बोधित

-व्यापार, निवेश और साझेदारी के लिए राजस्थान तैयार - भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से बढ़ रहा है। राजस्थान में भी इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर निरंतर विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में हर क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। प्रदेश अब व्यापार, निवेश और साझेदारी के लिए तैयार है। उन्होंने सभी उद्यमियों से राजस्थान में निवेश करने का आह्वान किया, जिससे एक मजबूत और समृद्ध राजस्थान का निर्माण हो तथा हम सब मिलकर विकसित भारत के सपने को साकार कर सकें। शर्मा शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित फिक्की (फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री) के 98वें वार्षिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि फिक्की सरकार और उद्योग के बीच सेतु का कार्य करते हुए राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान दे रहा है। यह मंच भारत की आर्थिक शक्ति का प्रतीक है, जहां नीति-निर्माता, उद्योगपति, निवेशक और उद्यमी एक साथ मिलकर राष्ट्र की प्रगति का रोडमैप तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट के लिए फिक्की ने यूके, जर्मनी, यूएई, कतर और सऊदी अरब में हुए अंतर्राष्ट्रीय आउटरीच कार्यक्रमों में साझेदारी की है।

पिछले एक दशक में भारत में हुए अभूतपूर्व परिवर्तन-

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। पिछले एक दशक में भारत में अभूतपूर्व परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने कहा कि जीएसटी, श्रम सुधार से एक राष्ट्र-एक बाजार की अवधारणा विकसित हुई है, वहीं भारतमाला, सागरमाला, उड़ान जैसी योजनाओं से देशभर

में परिवहन व्यवस्थाएं सुदृढ़ की जा रही हैं। मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, यूपीआई के माध्यम से स्वदेशी उत्पाद को बढ़ावा एवं तकनीकी नवाचारों से विकसित भारत 2047 का रोडमैप तैयार हो रहा है। शर्मा ने कहा कि राजस्थान देश के सबसे बड़े राज्य के रूप में इस राष्ट्रीय यात्रा में निर्णायक भूमिका निभाने के लिए तैयार है। हमारी डबल इंजन सरकार के शासन में राजस्थान विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है। हमारा दृष्टिकोण तीन स्तंभों सुधार, स्थिरता और अवसर पर आधारित है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने अब तक कई महत्वपूर्ण काम किए हैं। ईआरसीपी (राम जलसेतु लिंक परियोजना) के माध्यम से प्रदेश के 17 जिलों को पेयजल उपलब्ध होगा। महिलाओं के विरुद्ध अपराध में 9.24 प्रतिशत की कमी आई है। राजस्थान 12.2 प्रतिशत की जीडीपी से आगे बढ़ रहा है, जो राष्ट्रीय औसत 9.7 प्रतिशत से अधिक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार राजस्थान को नया इनवेस्टमेंट हब बनने के लिए दिन-रात मेहनत कर रही है। राजस्थान में निवेश अनुकूल वातावरण बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा सिंगल विंडो प्रणाली और डिजिटल नवाचारों को लागू किया गया है। साथ ही, भूमि आवंटन नीतियां पारदर्शी बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट के माध्यम से 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए हैं जिनमें से अब तक 7 लाख करोड़ रुपये के एमओयू धरातल पर उतर चुके हैं।

नवीकरणीय ऊर्जा का पावरहाउस बन रहा राजस्थान-

शर्मा ने कहा कि राजस्थान आज भारत का नवीकरणीय ऊर्जा पावरहाउस बन कर उभर रहा है। हम सौर ऊर्जा उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर हैं, वहीं पवन ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया में भी अग्रणी हैं। राजस्थान में विभिन्न प्रकार के खनिज के भंडार हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब तक 5 लाख से भी अधिक एमएसएमई एवं स्टार्टअप का पंजीकरण किया जा चुका है, जो देशभर में चौथा स्थान रखता है। आई-स्टार्ट कार्यक्रम के तहत 7 हजार से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत हुए हैं तथा हजारों की संख्या में रोजगार सृजित हुए हैं। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने सड़क अवसंरचना के लिए 5 वर्षों की योजना में 60 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान रखा है। समर्पित औद्योगिक क्लस्टर और मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क विकसित किए जा रहे हैं। सीमा आर्थिक क्षेत्र, उन्नत हवाई अड्डे और शहर-विशिष्ट विकास मिशन पर काम जारी है।

प्रदेश के 38 जिलों में 310 नए पशु चिकित्सालय भवनों का होगा निर्माण

- पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत के प्रयासों से 144 करोड़ 15 लाख रुपए मंजूर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान को विकास के नए आयाम देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सार्थक पहल एवं पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत के निर्देशन में प्रदेश की पशु चिकित्सालयों में आधारभूत संरचनाओं के साथ राज्य की पशु चिकित्सा व्यवस्था के समग्र रूप से सुदृढीकरण के लिए निरंतर रूप से प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में राजस्थान सरकार ने राज्य के 310 पशु चिकित्सालयों के नए भवनों के निर्माण के लिए 144 करोड़ 15 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है। इन निर्माण कार्यों को प्रारम्भ करने के आदेश जारी करते हुए प्रति पशु चिकित्सालय 46.50 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसके तहत अजमेर, अलवर, बालोतरा, बांसवाड़ा, बारां, बाड़मेर, ब्यावर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, बूंदी, चितौड़गढ़, चूरू, दौसा, डीग-भरतपुर, डूंगरपुर, जयपुर, जैसलमेर, जालौर, झालावाड़, झुंझुंनू, जोधपुर, करौली, खैरथल-तिजारा, कोटा, कोटपूतली-बहरोड़, कुचामन सिटी, नागौर, पाली, फलौदी, प्रतापगढ़, राजसमंद, सलूंबर, सवाईमाधोपुर, सीकर, सिरौही, श्रीगंगानगर, टोंक व उदयपुर जिले में नए पशु चिकित्सा भवन निर्माण के

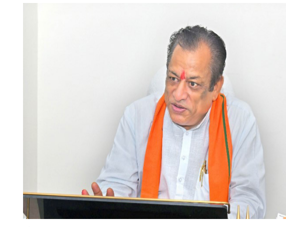

लिए कुल 14415 लाख रुपए की स्वीकृति जारी की गई है। पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि ग्रामीण विकास निधि के तहत 31 मार्च-2029 तक इन भवनों के निर्माण कार्य को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि जयपुर के 26, भीलवाड़ा, पाली और नागौर के 18-18, झुंझुनू के 17, जोधपुर के 16, चित्तौड़ के 14, कोटपूतली-बहरोड़, बीकानेर, सीकर के 11-11 अलवर, बांसवाड़ा, चुरु के 10-10, टोंक, उदयपुर के 09-09, अजमेर, दौसा, जालौर, बालोतरा के 07-07, बाड़मेर, डीग, कोटा, खैरथल- तिजारा, कुचामन के 06-06, डूंगरपुर के 05, प्रतापगढ़, सवाईमाधोपुर के 04-04, बारां, भरतपुर, बूंदी, जैसलमेर, झालावाड़, फलौदी, सिरोही के 03-03 और ब्यावर, करौली, राजसमंद सलूम्बर तथा श्रीगंगानगर के 02-02 स्थानों पर पशु चिकित्सालय भवन निर्मित करने के लिए प्रत्येक जिले को प्रति चिकित्सालय 46.50 लाख रुपये की राशि मंजूर की गई है।

अधिकारियों एवं कार्मिकों को मिले नियमित प्रशिक्षण, विभागीय अधिकारी करे गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदायगी - दिया कुमारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उप मुख्यमंत्री एवं महिला एवं बाल मंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में तथा महिला एवं बाल विकास प्रमुख शासन सचिव भवानी सिंह देथा एवं निदेशक, समेकित बाल विकास सेवाएं वासुदेव मालावत एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में शुक्रवार को शासन सचिवालय में निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उपमुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि आँगनबाड़ी सहायिका व कार्यकर्ता, महिला पर्यवेक्षक, सीडीपीओ और उपनिदेशकों का क्षमता संवर्धन हेतु प्रशिक्षण दिया जाए एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदायगी सुनिश्चित करने पर जोर दिया जाए। आंगनबाड़ी केंद्रों के आधारभूत सुविधाएं विकसित

करने के कार्यों को गति प्रदान की जाए। उन्होंने डेटा फीडिंग में गुणात्मक सुधार हेतु निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में आंगनबाड़ी केंद्रों की आधारभूत ढांचागत सुधार करने के लिए पूर्णप्रतिबद्धता से कार्य किया जा रहा है जिसे और गति प्रदान की जाए। आईसीडीएस द्वारा 2 हजार 365 आंगनबाड़ी केंद्रों को 46 करोड रुपए व्यय कर आदर्श आंगनबाड़ी केंद्रों के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस वर्ष राज्य में आपदा प्रबंधन निधि से 7 हजार 918 आंगनबाड़ी केंद्रों की मरम्मत हेतु 172 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की जा चुकी है। विभाग द्वारा समसा के माध्यम से 3 हजार 33 आंगनबाड़ी केंद्रों पर 50 करोड रुपए की लागत से मरम्मत के कार्य करवाए जा रहे हैं। इसके अलावा 2 हजार 9 सौ 63 आंगनबाड़ी केंद्रों पर अन्य विभिन्न माध्यमों से मरम्मत कार्य करवाये जा रहें हैं। प्रदेश में लगभग 13 हजार 900 से अधिक केंद्रों भवनों पर भवन मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण के कार्य करवाये जा रहे है।

उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले छ: पुलिसकर्मियों को "कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ' के अवार्ड से सम्मानित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने शुक्रवार को पुलिस आयुक्तालय पर आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट, सराहनीय, मेहनत, लगन एवं समर्पण से कार्य करने वाले छः पुलिसकर्मियों को "कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ के अवार्ड से सम्मानित किया। सचिन मित्तल ने बताया कि पुलिस का ध्येय वाक्य आमजन में विश्वास-अपराधियों में भय की भावना जनता में साकार हो इसके लिए जयपुर पुलिस लगातार प्रयासरत् है। उन्होंने बताया कि कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ पुरस्कार से पुलिसकर्मियों के मनोबल में बढोतरी के साथ-साथ पुलिसकर्मी बेहतर व सराहनीय कार्य करने के प्रेरित होंगे। अक्टूबर माह 2025 का "कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ पुरस्कार के लिए जिला पूर्व से चिन्हित सियाराम कानि. पुलिस थाना जवाहर नगर ने सांयकालीन गश्त के दौरान सड़क किनारे बेहोश पड़े अज्ञात व्यक्ति को तुरन्त ई-रिक्शा से अस्पताल पहुंचा कर उपचार दिलवाया जिससे व्यक्ति की जान बच सकी, कानि. ने उत्कृष्ट मानवता के लिए सराहनीय एवं प्रशंसनीय कार्य किया। जिला पश्चिम के श्रीमती सरिता पुलिस थाना सिन्धीकैम्प ने साईबर काइम से संबंधी परिवादों का निस्तारण करवाकर गुमशुदा

14 मोबाईलों को ट्रेस कर पीड़ितों को लौटाने का सराहनीय कार्य किया। जिला उत्तर के महिपाल कानि. ने पुलिस थाना विद्याधर नगर के प्रकरण में अज्ञात मृतक की पहचान कर एवं वारिसान की तलाश कर उक्त वारदात को अंजाम देने वाले वाले आरोपियों का चिन्हित कर मुल्जिम नवीन कुमार डंगोरिया व अजय स्वामी को गिरफ्तार करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी तथा अन्य प्रकरण में अभियुक्त शाहिद कुरेशी उर्फ शानु को गिरफ्तार कर उसके कब्जे चोरी की 7 मोटरसाईकिलें बरामद करवायी। जिला दक्षिण के जगदीश कानि. ने पुलिस थाना, चाकसू के दो प्रकरणों में आरोपियों को दस्तयाब करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। मोहनलाल कानि. यातायात प्रशासन जयपुर ने इन्टरसेप्टर पर तैनात रहकर तेजगति व लापरवाही से वाहन चलाने वाले वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी गयी एवं यातायात नियमों की पालना नहीं करने वाले वाहन चालकों के विरूद्ध अधिक से अधिक कार्यवाही करवाया गया जो सहरानीय कार्य किया। जितेन्द्र कानि. अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, (चोरी एवं नकबजनी) पुलिस आयुक्तालय जयपुर, ने आयुक्तालय क्षेत्र में होने वाली चैन, पर्स, बैग स्नैचिंग, लूट, वाहन चोरी एवं सम्पति संबंधी अपराधों की घटनाओं की क्यूएसटी रिकॉर्ड संधारण करना व दर्ज होने वाले सम्पति संबंधी अपराधों के प्रकरणों को ऑनलाईन पोर्टल पर दर्ज करने एवं हॉट स्पॉट चिन्हित कर अपराधों की रोकथाम हेतु समस्त थानाधिकारी को निर्देशित करने हेतु पत्राचार करने का कार्य कड़ी मेहनत व लगन से किया है।

जिला कलेक्टर ने शाहपुरा के SDM खेदर जी की तारीफ़ कर सम्मानित किया

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। विशेष गहन पुनरीक्षणकार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी डॉक्टर जितेंद्र कुमार सोनी ने गुरुवार को जिले के 3 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारियों को सम्मानित किया है जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में शाहपुरा निर्वाचक पदाधिकारी संजीव कुमार खेदर आदि को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया है। इस अवसर पर सोनी ने बीएलओ से संवाद के दौरान उन्होंने न केवल उत्कृष्ट प्रदर्शन की मुक्त कंठ से सराहना की बल्कि यह भी कहा कि उनकी यह प्रतिबद्धता पूरे जिले के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने आग्रह किया कि वे अपने अनुभव ऊर्जा और कार्यकुशलता से अन्य साथियों को प्रेरित कर उन्हें भी लक्ष्य प्राप्ति में मार्ग दर्शन दे ताकि पूरे जिले में पुनरीक्षण अभियान की गति और अधिक मजबूत एंव प्रभावशाली रूप में आगे बढ़ सके। खेदर को सम्मानित होने शाहपुरा व मनोहरपूर के सम्पूर्ण क्षेत्र में ख़ुशी की लहर दौड़ गई

है। उल्लेखनीय है खेदर साहब कर्तव्यनिष्ठ परिश्रमी ईमानदार दयालु है व अपने अधीनस्थ कर्मचारियों का मनोबल बढाते है। खेदर हिन्द मुस्लिम एकता को प्रगाढ़ करते है गरीबो की तन मन धन से मदद करते रहते है। खेदर के पास में जब भी कोई फरियादी अपनी फरियाद को लेकर आता है तो उसको चाय पानी पिलाकर ध्यान से उसकी फरियाद को सुनते हैं उनकी समस्याओं को अविलम्ब दूर कर देते है इस पर फरियादी यह दुआ देकर जाता है कि "ईश्वर आपकी मनोकामनाए पूरी करे" और गांवों में जाकर खेदर साहब की प्रशंसा करते है कि "घणो चोखों साहब आयों छ म्हारी पूरी बात न ध्यान सु सुणी और चाय पानी क लिए पूछ्यो और फट स काम कर दियो"।

दिन में रैकी, रात को चोरी: नकबजनी गिरोह का पर्दाफाश

-किराये की कार पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर देते थे वारदात को अंजाम, 2 आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पश्चिम पुलिस ने नकबजनी और चोरी करने वाले एक शातिर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए जेवरात व अन्य सामान, वारदात में प्रयुक्त स्वीफ्ट कार, फर्जी नंबर प्लेट और ताले तोड़ने के औजार बरामद किए गए हैं। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद (आईपीएस) ने बताया कि आरोपी किराये की कार पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर दिन में सूने और बंद मकानों की रैकी करते थे तथा रात के समय उन्हीं मकानों में नकबजनी की वारदात को अंजाम देते थे।

ऐसे हुआ मामले का खुलासा:

दिनांक 25 नवंबर 2025 को परिवादिया श्रीमती किरण कंवर, निवासी बैनाड़ रोड जयपुर ने थाना खोराबीसल में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह 20 नवंबर से शादी समारोह में बाहर गई हुई थीं। इस दौरान अज्ञात चोरों ने उनके सूने मकान के ताले तोड़कर जेवरात व अन्य सामान चोरी कर लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने प्रकरण संख्या 86/25 धारा 305(बी) बीएनएस में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल व बैनाड़ रोड के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर एक स्वीफ्ट कार को चिन्हित

किया।

फर्जी नंबर प्लेट और चोरी का माल बरामद:

पुलिस टीम ने कार संख्या RJ 45 CU 0963 को रोककर तलाशी ली तो कार की डिक्की से अलग-अलग नंबर की तीन फर्जी नंबर प्लेट मिलीं। जांच में कार पर लगी प्लेट भी फर्जी पाई गई। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया।

गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से:

चोरी किए गए जेवरात व अन्य सामान

वारदात में प्रयुक्त किराये की स्वीफ्ट कार

तीन अन्य फर्जी नंबर प्लेट

ताले तोड़ने के औजार (रॉड, पेचकस आदि)

बरामद किए गए हैं।

गिरफ्तार आरोपी:

गजेन्द्र सिंह पुत्र पाल सिंह, उम्र 46 वर्ष निवासी: खुड़िया, थाना सरदारशहर, जिला चूरू

हाल पता: बैनाड़ रोड, जयपुर, देशराज यादव उर्फ देस्या पुत्र रामफुल यादव, उम्र 34 वर्ष

निवासी: महाराजपुरा उर्फ नैनछा, थाना फागी, जिला जयपुर, हाल पता: वाटिका, सांगानेर सदर, जयपुर पुलिस के अनुसार आरोपी देशराज के विरुद्ध पूर्व में लूट, चोरी व नकबजनी के 15 प्रकरण दर्ज हैं, जबकि गजेन्द्र सिंह के खिलाफ फर्जी आरटीओ बनकर ठगी और सोना लूटने के मामले दर्ज हैं।

टीम का गठन:

इस कारवाई को अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश गुप्ता के निर्देशन एवं एसीपी झोटवाड़ा आलोक सैनी के सुपरविजन में थानाधिकारी सुरेन्द्र सिंह (पुलिस निरीक्षक) के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने अंजाम दिया। पुलिस टीम में एएसआई रणसिंह सहित कुल 8 पुलिसकर्मी शामिल रहे। गिरफ्तार आरोपियों से अन्य चोरी व नकबजनी की वारदातों के संबंध में गहन पूछताछ और अनुसंधान जारी है।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई

-80 हजार 400 रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 24 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में शुक्रवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में वी.के. आई. रोड़ नंबर -17 से लगभग 60-70 थड़ियों एवं अस्थाई अतिक्रमण हटवाये गये साथ ही बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, जौहरी बाजार, सांगानेरी गेट, घाट गेट, संसार चंद्र रोड, घाट की गुणी, खजाने वालों का रास्ता, आदर्श नगर, अजमेरी गेट, किशनपोल बाजार, संजय सर्किल, पानी की टंकी, हाउसिंग बोर्ड, शास्त्री नगर, गणगौरी बाजार, चौड़ा रास्ता, चौगान स्टेडियम के पीछे, चांदी की टकसाल, सुभाष चौक, जोरावर सिंह गेट आदि स्थलों से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 80 हजार 400 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 24 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त

सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में वी.के.आई. रोड़ नंबर -17 से लगभग 60-70 थड़ियों एवं अस्थाई अतिक्रमण हटवाये गये साथ ही बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, जौहरी बाजार, सांगानेरी गेट, घाट गेट, संसार चंद्र रोड, घाट की गुणी, खजाने वालों का रास्ता, आदर्श नगर, अजमेरी गेट, किशनपोल बाजार, संजय सर्किल, पानी की टंकी, हाउसिंग बोर्ड, शास्त्री नगर, गणगौरी बाजार, चौड़ा रास्ता, चौगान स्टेडियम के पीछे, चांदी की टकसाल, सुभाष चौक, जोरावर सिंह गेट आदि स्थलों से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 24 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 80 हजार 400 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

जोन-13 में के व्यवसायिक प्रयोजनार्थ बने अवैध निर्माण को किया ध्वस्त

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-13 में दिल्ली रोड़ हाईवे के पास निजी खातेदारी भूमि पर जेडीए की बिना अनुमति एवं स्वीकृति के व्यवसायिक प्रयोजनार्थ बने अवैध धर्मकांटा को हटवाया गया। उप महानिरीक्षक पुलिस, राहुल कोटोकी ने बताया कि जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम टिकमपुरा, दिल्ली रोड़, हाईवे के पास, जिला जयपुर में निजी खातेदारी भूमि पर जेडीए की बिना अनुमति एवं स्वीकृति के व्यवसायिक प्रयोजनार्थ धर्मकांटा का अवैध निर्माण किये जाने की सूचना प्राप्त होने पर उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी के निर्देशन में आज जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते

द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से हटवाया गया। उक्त कार्यवाही मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन शिल्पा चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-प्रथम, प्रवर्तन अधिकारी जोन-13 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समावेशी विकास के लिए कृत संकल्पित - पटेल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पंचायती राज परिसीमन के तहत जन भावनाओं के अनुरूप विधानसभा क्षेत्र लूणी में नवीन पंचायत समिति झंवर तथा नवसृजित ग्राम पंचायतों के गठन की घोषणा से पूरे क्षेत्र में खुशी मनाई जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों ने इस बहुप्रतीक्षित निर्णय के लिए माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल का आभार व्यक्त किया। पटेल ने कहा यशस्वी मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समावेशी विकास के लिए कृत संकल्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा हमारा प्रयास है कि विकास में क्षेत्रीय विषमता कम से कम हो। उन्होंने कहा झंवर पंचायत समिति और नई ग्राम पंचायतों का गठन प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बनाएगा तथा लोगों को सरकारी

योजनाओं का लाभ और अधिक सुगमता से मिल सकेगा। उन्होंने कहा यह निर्णय क्षेत्र की वास्तविक जरूरतों को ध्यान में रखकर लिया गया है, जिससे भविष्य में विकास कार्यों को नई दिशा मिलेगी। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा नई पंचायतों एवं समितियों के गठन से अब शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, जल-प्रबंधन और कृषि से जुड़े कार्यों को समयबद्ध रूप से संपादित किया जाएगा। उन्होंने कहा स्थानीय समस्याओं का गांव स्तर पर ही अधिक प्रभावी ढंग से समाधान सुनिश्चित होगा, जिससे पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसहभागिता भी बढ़ेगी। क्षेत्रवासियों ने माननीय मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और विधि मंत्री जोगाराम पटेल को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह निर्णय न केवल वर्षों पुरानी मांग का समाधान है बल्कि आने वाले समय में क्षेत्र के समग्र विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। उन्होंने कहा नई पंचायतों के गठन से उनकी आवाज़ और अधिक मजबूती से नीति निर्धारण तक पहुँचेगी।

ये रहे उपस्थित

इस दौरान श्रवण पटेल, गोविन्द टाक सहित कटारड़ा, राबड़िया, हिंगोला नगर, बासनी सिलावटा, धन्ना भगत नगर एवं खुडाला के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

'वोट चोर–गद्दी छोड़' महारैली की तैयारी को लेकर कांग्रेस की अहम बैठक कल जयपुर में

जयपुर । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा 14 दिसंबर 2025 को दिल्ली में प्रस्तावित 'वोट चोर–गद्दी छोड़' महारैली की तैयारियों और प्रदेश में निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) अभियान की समीक्षा को लेकर राजस्थान कांग्रेस की संयुक्त बैठक शनिवार, 29 नवम्बर को आयोजित की जाएगी। यह बैठक प्रातः 11.30 बजे प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय स्थित इंदिरा गांधी भवन, स्टेशन रोड, जयपुर में होगी। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा करेंगे, जबकि इसमें राजस्थान कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा भी शामिल रहेंगे। बैठक में AICC पदाधिकारी, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, अग्रिम संगठनों, विभागों एवं प्रकोष्ठों के प्रदेशाध्यक्ष और संयोजक हिस्सा लेंगे। बैठक में दिल्ली महारैली को सफल बनाने की रणनीति, संगठनात्मक जिम्मेदारियों के वितरण और SIR अभियान को लेकर पार्टी के रुख व आगे की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/ 108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

जिला परिषद कर्मचारी की सेवानिवृत्ति पर दी जिला प्रमुख ने दी विदाई

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला परिषद् बारां में कार्यरत सहायक कर्मचारी रजाक मोहम्मद के राजकीय सेवा में 60 वर्ष पूर्ण होने के उपरान्त विवाई समारोह जिला प्रमुख श्रीमती उर्मिला जैन 'भाया' की अध्यक्षता में शुक्रवार को आयोजित किया गया। दोपहर बाद जिला परिषद भवन में आयोजित विदाई समारोह में रजाक मोहम्मद की पत्नी श्रीमती शहनाज बेगम, उनके परिवार के सदस्य तथा जिला परिषद बारां का स्टाफ उपस्थित रहा। विदाई समारोह में रजाक मोहम्मद का साफा, माला, श्रीफल एवं चांदी का सिक्का भेंटकर स्वागत सम्मान किया गया। कर्मचारी रजाक की पत्नी का जिला प्रमुख श्रीमती उर्मिला जैन भाया द्वारा शॉल एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। जिला प्रमुख एवं जिला परिषद बारां में समस्त स्टाफ द्वारा रजाक मोहम्मद के अच्छे स्वास्थ्य एवं उज्जवल भविष्य की कामना करते हेतु विदाई समारोह का समापन किया गया।

प्रदेश प्रवक्ता बनने रामलाल शर्मा

- चौमूं क्षेत्र के पूर्व विधायक रामलाल शर्मा पर फिर से जताया भरोसा

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की नई कार्यकारिणी की घोषणा गुरुवार को की गई। जारी सूचना मैं चौमूं क्षेत्र के पूर्व विधायक रामलाल शर्मा को एक बार फिर से प्रदेश प्रवक्ता की जिम्मेदारी सोंपी गई है। नए कार्य करने शर्मा का पुनः प्रवक्ता पद शामिल होने पर कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। मिले जानकारी के अनुसार शर्मा को फिर से प्रवक्ता बनाए जाने पर भाजपा जयपुर ग्रामीण क्षेत्र में उनके संगठन आत्मक अनुभव पकड़ एवं कार्यकर्ता नेटवर्क अपनी रणनीति के प्रमुख स्थान दिया है। चुनाव हार के बावजूद भी कई नेताओं की भूमि सीमित हो जाती है लेकिन पूर्व विधायक रामलाल शर्मा को दोबारा मजबूत दायित्व देखकर पार्टी ने स्पष्ट संदेश दिया है। कि उनका प्रभाव अभी भी बरकरार है और आने वाले समय में उनकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण होने वाली है। संगठनात्मक स्तर पर रामलाल शर्मा एक लंबे सफर से आज तक पहुंचे हैं शर्मा भाजपा जयपुर देहात जयपुर गत उत्तर दोनों के पहले अध्यक्ष भी रह चुके हैं । इसको लेकर सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को ग्रामीण क्षेत्र से साथ लेकर चलने का आवाहन किया है। इसको लेकर ग्रामीण ग्राम पंचायत आलीसर लीसर से पंचायत समिति सदस्य एवं कालाडेरा भाजपा मंडल लालचंद यादव, महेंद्र कुमार खातोदिया, सरस डेयरी के सचिव हीरालाल शर्मा, मेडिकल स्टोर कैलाश शर्मा, बनवारी लाल शर्मा, रिटायर एडवोकेट फतेह सिंह पालावत, वरिष्ठ पत्रकार भगवान सहाय यादव, पूर्व सरपंच बाबूलाल यादव, शंभू सिंह, मुरलीधर जडवाल, मूल सिंह नरूका, मालीराम बाबूजी पप्पू फोटो स्टूडियो सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी व्यक्त की।

गीतांजली हॉस्पिटल की बड़ी उपलब्धि: 5 साल का अंधेरा, एक ऑपरेशन से मिली नई रोशनी

-5 साल से चल रहे 'शांत दौरे' का सफल ऑपरेशन

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल ने न्यूरोलॉजी क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि दर्ज की है। सिरोही के 27 वर्षीय पीड़ित पिछले पांच वर्षों से "शांत दौरे" (Silent Seizures) की समस्या से जूझ रहे थे। बेहतर इलाज के लिए परिजन गीतांजली हॉस्पिटल पहुंचे जहां वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट एवं एपिलेप्टोलॉजिस्ट डॉ. अनीस जुक्कारवाला ने 3 Tesla MRI, वीडियो EEG और PET-CT जैसी उन्नत जांचें कराईं। जांच में पता चला कि दौरे का स्रोत दिमाग के लेफ्ट मीडियल टेम्पोरल रीजन में है। न्यूरोसाइकोलॉजिकल मूल्यांकन के बाद सर्जरी संभव मानी गई। गीतांजली की अनुभवी न्यूरोसर्जरी टीम ने सफलतापूर्वक एपिलेप्सी सर्जरी कर मरीज को पांच साल पुराने कष्ट से राहत दिलाई। MRI में स्पष्ट असामान्यता न होने के बावजूद उन्नत तकनीकों से सटीक स्थान पहचान कर उपचार करना अस्पताल की विशेषज्ञता का प्रमाण है। आपको बता दें कि हर महीने 2–3 बार आने वाले इन खामोश दौरों के दौरान पीड़ित कुछ मिनटों के लिए अचेत-से हो जाते थे, हाथ-पैर अनजाने में हिलते थे और कई बार गर्म वस्तुएं छू लेने व चलते समय बाधा न दिखने जैसी घटनाओं से खुद को चोट भी पहुंचा लेते थे। फिलहाल पीड़ित पूरी तरह स्वस्थ है।

सवाई माधोपुर को बिजली दुर्घटना मुक्त बनाने का संकल्प

-बिजली वर्कर्स फैडरेशन (एटक) की कार्यकारिणी गठित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान बिजली वर्कर्स फैडरेशन (एटक) की जिला कार्यकारिणी की बैठक शुक्रवार को फैडरेशन के कार्यकारी अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह चौहान की अध्यक्षता में अधीक्षण अभियंता कार्यालय परिसर में आयोजित हुई। बैठक में कर्मचारियों की समस्याओं, सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता, एफआरटी व्यवस्था में सुधार और लंबित सेवा प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण सहित व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान एटक की जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें अजय सिंह चौधरी को जिला अध्यक्ष, राहत परवेज को जिला महासचिव, बुद्धि प्रकाश, ललित चौधरी एवं मामराज को उपाध्यक्ष, रामहरी, बद्री, महेन्द्र गुर्जर, मुकेश बैरवा एवं रामलखन मीणा को सचिव, महेश चौधरी को कोषाध्यक्ष तथा गिरधारी, राजेश एवं रामकेश को प्रचार मंत्री मनोनीत करते हुए कुल 21 सदस्यीय कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक के बाद नवनियुक्त अध्यक्ष अजय सिंह चौधरी के नेतृत्व में अधीक्षण अभियंता बाबू लाल मीणा को सुरक्षा संबंधी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया, जिस पर अधीक्षण अभियंता ने कर्मचारियों की समस्याओं के त्वरित समाधान और संगठन के साथ समन्वय कायम रखने का आश्वासन दिया और कहा कि सभी कर्मचारी एकजुट होकर सवाई माधोपुर को विद्युत दुर्घटना मुक्त जिला बनाने की दिशा में कार्य करें। बैठक में प्रदेश महासचिव केशव व्यास, संयुक्त महासचिव रोशन लाल मीणा, प्रदेश कोषाध्यक्ष संतोष ठाकुर, लालाराम मीणा, कमलेश प्रजापति एवं मंत्रालयिक कर्मचारियों के नेता रामकेश टोंगिया सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भूमि विकास बैंक का वार्षिक अधिवेशन आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका)। बारां सहकारी भूमि विकास बैंक लिमिटेड के प्रधान कार्यालय के सभा कक्ष में शुक्रवार को 41 वां वार्षिक अधिवेशन व आम सभा का आयोजन प्रशासक बैंक एवं बारां केन्द्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड के प्रबंध निदेशक सौमित्र कुमार मंगल की अध्यक्षता में हुआ। बैंक के सचिव पंकज लववंशी ने बताया कि अधिवेशन में बैंक के प्रतिनिधिगण बाबूलाल धाकड़, नागपाल यादव, लटूर मीणा, प्रमोद कुमार मीणा, ओमप्रकाश धाकड़, शम्भुलाल मीणा, देवीलाल ओढ़, दिनेश कुमार शर्मा, नवल किशोर मीणा, कन्हैयालाल पारेता, बलराम सुमन, ओमप्रकाश गौतम, क्षेत्रीय प्रबन्धक, शीर्ष बैंक जयपुर नरसी लाल मीणा एवं सचिव बैंक जीतेश कुमार जैन द्वारा भाग लिया गया। कार्यक्रम में गत 40वीं वार्षिक अधिवेशन की कार्यवाही की पुष्टी सहित एजेण्डा बिन्दओं पर विचार-विमर्श करते हुए सर्वसम्मति से प्रशासनिक व प्रबन्धकीय निर्णय लिए गए। साथ ही प्रतिनिधिगण ने अपने विचार व्यक्त किए।

ब्राह्मण समाज ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन चौमूं थानाधिकारी प्रदीप शर्मा को सौंपा

चौमूं/नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी द्वारा ब्राह्मण समाज की बेटियों पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में चौमूं में शुक्रवार को व्यापक जनआक्रोश देखने को मिला। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज राजस्थान के जिला संरक्षक डॉ. ओम प्रकाश शर्मा एवं जिलाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी ने सभी पदाधिकारियों तथा सर्व-समाज के लोगों के साथ मिलकर राष्ट्रपति महोदय को संबोधित ज्ञापन चौमूं थानाधिकारी प्रदीप शर्मा को सौंपा। जिला महासचिव बनवारी लाल शर्मा ने बताया की आईएएस अधिकारी का बयान न केवल ब्राह्मण समाज की बेटियों का अपमान है, बल्कि यह महिलाओं की गरिमा, सामाजिक समरसता और प्रशासनिक आचार संहिता के विरुद्ध है। सर्व-समाज की भागीदारी ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि यह मुद्दा किसी एक समुदाय का नहीं, बल्कि समाज की प्रत्येक बेटी की अस्मिता से जुड़ा है।

ज्ञापन में मुख्य मांगें:-

आईएएस अधिकारी के खिलाफ तत्काल विभागीय व आपराधिक कार्रवाई शुरू की जाए।

उन्हें वर्तमान पदस्थापना से तुरंत हटाया जाए।

टिप्पणी को महिला-अपमान और जातिगत भेदभाव के रूप में लेकर विशेष जांच की जाए।

आगे ऐसी घटनाएँ न हों, इसके लिए प्रशासनिक आचार संहिता में सुधार एवं जागरूकता कार्यक्रम लागू किए जाएँ।

ब्राह्मण समाज के साथ सर्व समाजों के लोगों ने बड़ी संख्या में चौमूं थाना परिसर पहुँचकर शांतिपूर्ण तरीके से इस विरोध में भाग लिया। जिलाध्यक्ष तिवाडी ने कहा: "यह लड़ाई केवल ब्राह्मण समाज की नहीं—यह हमारी बेटियों की गरिमा और सम्मान की लड़ाई है। हम संविधान के भीतर रहकर न्याय की मांग करते रहेंगे।" थानाधिकारी प्रदीप शर्मा ने ज्ञापन प्राप्त कर इसे उच्च अधिकारियों तक भेजने का आश्वासन दिया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष अशोक रेवड़का, जिला प्रचार प्रसार मंत्री चंद्र प्रकाश शर्मा, जिला जिला मंत्री ओम प्रकाश रीडर, जिला प्रवक्ता डॉ. बंशीधर शर्मा, जिला मंत्री नारायण लाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा, चौमूं तहसील महामंत्री मुकेश लालानी, चौमूं तहसील उपाध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, चौमूं पेंशनर मंच अध्यक्ष राधेश्याम यादव, उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह सोलंकी, महामंत्री रामपाल कुमावत, शंभू गरेड उपस्थित थे।

नांगल शेरपुर में अल सुबह धमाके के साथ भरभरा कर गिरा रियायसी मकान,मौकेपर पहुंचे हल्का पटवारी

हनीस खान कुतकपुर

नांगलशेरपुर (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत नांगलशेरपुर में शुक्रवार अल सुबह 4:00 बजे बड़े धमाके के साथ नांगल शेरपुर हिंडौन सड़क मार्ग स्थित रामरूप मीना पुत्र रामफल मीणा का रियायसी मकान धमाके के साथ भरभराकर गिर गया जिसमें रखा सामान कूलर पंखे चारपाई डबल बेड व अन्य घरेलु सामान मकान गिरने से टूटकर नष्ट हो गया। दूरभाष पर सूचना पर पहुंचे हल्का पटवारी अशोक कुमार मीणा ने घटनास्थल का मौका मुआना कर फर्द रिपोर्ट बनाई जिसमें चारपाई डबल बेड कूलर पंखा टेलीविजन सहित अन्य सामान नष्ट होने का हवाला दिया। हल्का पटवारी ने बताया कि फर्द रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को प्रेषित की जाएगी। वही मकान मालिक रामरूप मीना ने बताया कि सभी घर ग्रहस्थी का सामान मकान में रखा हुआ था पीछे वाडे में गाय भैंस बंधती है वहां वह सो रहा था। अचानक सुबह तेज आवाज के साथ धमाका हुआ जिसे सुनकर में मकान की तरफ आया तो देखा मकान के दोनों कमरों की चीरीया टूटी हुई पड़ी थी वही पूरा सामान टूट चुका था। गनीमत रही की इस हादसे के दौरान घर का कोई सदस्य मकान में नहीं था अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। पीड़ित मकान मालिक ने प्रशासन से मकान हादसे में हुए नुकसान का मुआवजा दिए जाने की मांग की है।

गांव भैंसा में फायरिंग कर दहशत फैलाने के मामले में फरार ₹5000 का इनामी आरोपी गिरफ्तार

हनीस खान कुतकपुर

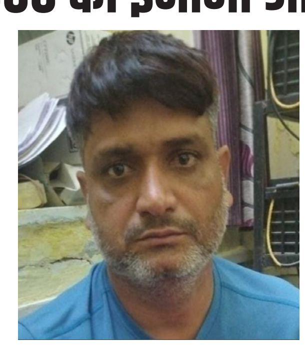

करौली (रॉयल पत्रिका)। करौली जिले के टोडाभीम थाना पुलिस ने फायरिंग कर दहशत फैलाने के मामले में फरार चल रहे ₹5000 के इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। थाना अधिकारी सुनीलाल मीणा ने शुक्रवार शाम 6:00 बजे बताया कि दिनाँक 27.09.2025 को प्रार्थी अताउल्ला खां पुत्र बाबुद्दीन खां निवासी भैंसा थाना टोडाभीम ने एक तहरीर इस आशय से पेश की कि जसवन्त, सचिन उर्फ राहुल, रोहित जैन, अजीत गुर्जर व अन्य आरोपीगण द्वारा मुझे जान से मारने के इरादे से मेरे उपर फायरिंग की। आदि पर मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान एएसआई हरवीर सिंह के जिम्मे किया। प्रकरण में आरोपीगण के खिलाफ अपराध प्रमाणित पाए जाने पर करौली एसपी द्वारा दिनांक 15/10/2025 को वांछित आरोपीगण पर 5-5 हजार रूपये का ईनाम घोषित किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिण्डौनसिटी व पुलिस उप अधीक्षक टोडाभीम ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए उक्त आरोपीगण को गिरफ्तार करने हेतु अलग-अलग टीमें गठित की। प्रकरण के आरोपीगण जसवन्त गुर्जर, सचिन उर्फ राहुल गुर्जर, अजीत गुर्जर, सुरेन्द्र गुर्जर, रोहित जैन को दिनांक 26/10/2025 को गिरफ्तार कर पेश न्यायालय किया गया था। प्रकरण में वांछित आरोपी राजकुमार गुर्जर की तलाश हेतु अलग-अलग टीमें गठित कर विभिन्न संदिग्ध स्थानों पर दबिश दी गई। मूखबिर की सूचना पर एसपी के निर्देश पर ₹5000 के इनामी आरोपी राजकुमार पुत्र राधेश्याम गुर्जर निवासी पीलवाड पट्टी थाना सलेमपुर जिला दौसा को पुलिस थाना नई मण्डी हिण्डौन सिटी से गिरफ्तार किया गया।

शाहपुरा कांग्रेस की बैठक, SIR अभियान पर बनी रणनीति

-मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण को सफल बनाने का संकल्प

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। शाहपुरा में मतदाता सूची के शुद्धिकरण हेतु चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (SIR) को लेकर ब्लॉक एवं नगर कांग्रेस कमेटी की बैठक अमरसर में आयोजित की गई। बैठक में आगामी राजनीतिक गतिविधियों के साथ-साथ मतदाता सूची के अद्यतन और सत्यापन को प्रभावी बनाने के लिए विस्तृत रणनीति तैयार की गई। बैठक में शाहपुरा विधायक मनीष यादव ने SIR अभियान की प्रक्रियाओं पर विस्तार से चर्चा की और कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का सही और समय पर सत्यापन लोकतंत्र की नींव को मजबूत करता है साथ ही SIR के दुरूपयोग पऱ चिंता जाहिर कि। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपने - अपने बूथ पर बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) के साथ समन्वय कर नए नाम जोड़ने, त्रुटियों के सुधार और अद्यतन कार्य में पूरी संजीदगी से जुटने का आग्रह किया। विधायक यादव ने कहा कि हर मतदाता लोकतंत्र का सशक्त नागरिक है और सही व अद्यतन मतदाता सूची तैयार करना संगठन की जिम्मेदारी है। उन्होंने SIR अभियान को कांग्रेस के लिए परीक्षा की घड़ी बताते हुए कहा कि इसका उद्देश्य यह भी देखना है कि कहीं सुनियोजित तरीके से कांग्रेस का वोट कम तो नहीं किया जा रहा। उन्होंने मतदाता सूची में हो रही गड़बड़ियों पर चिंता जताते हुए कहा कि बिहार चुनाव से पहले लाखों नामों का गायब होना चुनाव आयोग की नीयत पर सवाल खड़ा करता है। उन्होंने केंद्र सरकार पर चुनाव आयोग के राजनीतिकरण का आरोप लगाते हुए कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की साख बनाए रखना बेहद आवश्यक है। जिला प्रभारी आर.सी. चौधरी ने अभियान की कार्यप्रणाली समझाते हुए बताया कि प्रत्येक बूथ पर नियुक्त कार्यकर्ता बीएलओ के साथ मिलकर घर-घर सत्यापन सुनिश्चित करेंगे और अभियान की प्रगति की नियमित रिपोर्ट देंगे। विधानसभा प्रभारी माया सवालका ने कहा कि हर कार्यकर्ता यह सुनिश्चित करे कि किसी भी योग्य व्यक्ति का नाम SIR प्रक्रिया में जुड़ने से छूट न जाए। बैठक के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि कांग्रेस शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र में SIR अभियान को शत - प्रतिशत सफलता दिलाएगी। उन्होंने तय किया कि प्रत्येक बूथ पर नए मतदाताओं के नाम जुड़वाने, मतदाता जागरूकता बढ़ाने और सूची को पूर्णतः शुद्ध करने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। ब्लॉक अध्यक्ष नाथू लाल सैनी, मुकेश देव गुर्जर, नगर अध्यक्ष मुकेश खुड़ानिया, अल्लादीन खाँ, सुरेश मीणा, प्रवीण व्यास, प्रेम देवी, रामेश्वर ने भी sir पर जानकारी दी। बैठक में रवि, जीतू, मक्खन, मंगल, शिम्भु देवाराम, सुरज्ञान, राकेश, निहाल, विशाल, अक्षय, राजेश इमरान तथा सभी मंडल अध्यक्ष सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की जयपुर में 29 नवंबर को महत्वपूर्ण बैठक

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान ने बताया कि, 14 नवम्बर को दिल्ली में होने वाली महारैली ओर प्रदेश में चल रहे एसआईआर सहित अनेक मुद्दों पर होने वाली बैठक में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष ऱफ़ीक मंडेलिया भाग लेगे, इस बैठक में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सहित नेताओं से मिलकर चूरू विधानसभा क्षेत्र की अनेक विषयों पर चर्चा कर अवगत करवाएंगे। इस बैठक में नव नियुक्त जिला कांग्रेस अध्यक्षों का सम्मान किया जाएगा।

शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री ने किया बटावदा एवं बटावदी में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण

बारां (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने शुक्रवार को ग्राम पंचायत बिजौरा के गांव बटावदी और ग्राम पंचायत बटावदा में सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। मंत्री दिलावर ने गांव की गलियों में घूम कर स्थानीय निवासियों से सफाई व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। ग्रामीणों ने मंत्री को बताया कि सफाईकर्मी दस-पंद्रह दिन में झाड़ू लगाने आते हैं। रोज सफाई नहीं होती। कचरा उठाने वाली गाड़ी भी नहीं आती। निरीक्षण में पाया गया कि ग्राम पंचायत बटावदा में गांव के मुख्य मार्ग पर ही पॉलिथीन का कचरा और गंदगी के ढेर लगे थे। मंत्री दिलावर ने जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरीश कुमार को ग्राम विकास अधिकारी और खंड विकास अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। शिक्षा मंत्री शुक्रवार दोपहर मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले के लिए जाते समय ग्राम पंचायत का निरीक्षण किया।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर सांसद राठौड़ से मुलाकात की

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा एवं पंचायती राजमंत्री मदन दिलावर शुक्रवार को पाली प्रवास के दौरान राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ के आवास पर उनसे मुलाकात की आयोजित विवाह समारोह के कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। मंत्री दिलावर ने कार्यक्रम में पहुँचकर वर पक्ष राठौड़ के परिवारजनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाए दीं। उन्होंने इस शुभ अवसर पर नवदंपत्ति के उज्ज्वल, सुखी एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन की कामना की। इस दौरान मंत्री दिलावर ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं अन्य से औपचारिक रूप से भेंट की और सामाजिक व संगठनात्मक विषयों पर संक्षिप्त चर्चा भी की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, समाजजन एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम

-अंता में एसआईआर की घोषणा, 12 मार्च तक चलेगा कार्यक्रम

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । भारत निर्वाचन आयोग ने जिले के विधानसभा क्षेत्र अंता (क्रमांक 193) में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। कार्यक्रम के अन्तर्गत 2 से 7 दिसंबर तक प्रशिक्षण एवं गणना प्रपत्र के मुद्रण का कार्य होगा तथा 8 दिसंबर 6 जनवरी 2026 तक गणना अवधि रहेगी। इसके पश्चात 12 जनवरी को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशित किया जाएगा। दावे एवं आपत्तियां 12 जनवरी 2026 से 11 फरवरी 2026 तक ली जाएगी। जबकि 12 जनवरी से 5 मार्च 2026 तक नोटिस फेज रहेगा जिसमें सुनवाई एवं सत्यापन किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 12 मार्च 2026 को किया जाएगा। उप जिला निवार्चन अधिकारी भंवरलाल जनागल ने बताया कि अंता विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर कार्यक्रम के तहत 29 नवम्बर 2025 को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक बीएलओ व सुपरवाईजर्स का प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अंता विधानसभा क्षेत्र के भाग संख्या 101 से 268 तक संबंधित बीएलओ व सुपरवाईजरों को पंचायत समिति सभागार अन्ता में प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक तथा महात्मा ज्योतिबा फुले सामुदायिक भवन मांगरोल में दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक भाग संख्या 1 से 100 तक के बीएलओ व सुपरवाईजर्स को डीएलएमटी व एएलएमटी द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में नियुक्त किए गए प्रशिक्षण प्रभारी अधिकारी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (उपखंड अधिकारी), अंता एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (उपखंड अधिकारी) मांगरोल प्रशिक्षण संबंधित सम्पूर्ण व्यवस्था व प्रशिक्षण में उपस्थित रहकर प्रशिक्षण की शत-प्रतिशत गुणवत्ता सुनिश्चित करेंगे। साथ ही नियुक्त मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण देना सुनिश्चित करेंगे।

2800 मैट्रिक टन यूरिया और बारां पहुंचा, किसानों को मिली राहत

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिले में रबी सीजन में फसलों की बुवाई अंतिम दौर में है। रबी में लगभग 34 लाख 3000 हेक्टेयर में फसलों की बुवाई होनी है। जिसमें से अब तक 3 लाख 20000 हेक्टेयर में बुवाई हो चुकी है। वर्तमान में गेहूं की बुवाई जारी है। संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) धनराज मीणा ने बताया कि कृषि आयुक्तालय के आवंटन अनुसार ही रबी सीजन में यूरिया की आपूर्ति हो रही है। रबी सीजन में यूरिया का ओपनिंग बैलेंस 12176 मैट्रिक टन था। पिछले दो माह में कुल 47700 मैट्रिक टन आवंटन के विरुद्ध 43000 मैट्रिक टन प्राप्त हो चुका है। शुक्रवार को 2800 मैट्रिक टन यूरिया इफको द्वारा सभी ग्राम सहकारी समिति व क्रय-विक्रय सहकारी समितियों में आपूर्ति किया गया। आगामी दिनों में 1400 मैट्रिक टन और यूरिया की आपूर्ति होनी है। जिले के किसानों को पर्याप्त मात्रा में यूरिया खाद के साथ अन्य उर्वरक उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्तमान में 5093 मैट्रिक टन यूरिया उर्वरक उपलब्ध है। किसानों से अपील की गई है कि रबी फसल की मांग अनुसार ही यूरिया क्रय करें। अनावश्यक भण्डारण नहीं करें। जिले में पर्याप्त मात्रा में यूरिया खाद उपलब्ध है।

जिला रोजगार कार्यालय द्वारा एक दिवसीय सहायता शिविर आयोजित

-900 से अधिक बेरोजगारों को मिला अवसर

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। बेरोजगार युवाओं को सरकारी के साथ-साथ निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में जिला रोजगार कार्यालय, हनुमानगढ़ की ओर से गुरुवार को सामुदायिक भवन, सिविल लाइन (वार्ड 01), जिला परिषद के पीछे स्थित परिसर में एक दिवसीय रोजगार सहायता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 900 से अधिक आशार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

18 संस्थानों ने लगाया रोजगार शिविर में स्टॉल:-

जिला रोजगार अधिकारी विनोद गोदारा ने बताया कि शिविर में निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के 18 संस्थानों ने भागीदारी निभाई। इनमें जय श्याम सिक्योरिटी सर्विस, पदमपुर; एनएसएसएस सिक्योरिटी सर्विस; लीड सिक्योरिटी सर्विस, श्रीगंगानगर; कृषि विपणन विभाग; कृषि उपज मंडी समिति, हनुमानगढ़; एससी-एसटी निगम; यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी; राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान; नगर परिषद; एलआईसी; एलाईन्स स्किल्स फाउंडेशन; सरस डेयरी; महिला अधिकारिता विभाग; एसबीआई आर. सेठी शाखा; राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम; जिला उद्योग केंद्र; राजीविका आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

719 युवाओं का प्रारम्भिक चयन:-

गोदारा ने बताया कि शिविर में निजी क्षेत्र की कंपनियों ने 176 आशार्थियों का प्रारम्भिक चयन किया, जबकि प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा 286 युवाओं को चुना गया। इसके अतिरिक्त 257 बेरोजगारों को स्वरोजगार हेतु विभिन्न योजनाओं के लिए चयनित किया गया। इस प्रकार कुल 719 युवाओं को विभिन्न श्रेणियों में अवसर प्रदान किए गए।

अब होगा प्रशिक्षण, ऋण सुविधा और अंतिम चयन:-

शिविर में चयनित आशार्थियों को आगामी चरण में प्रशिक्षण, स्वरोजगार हेतु ऋण सुविधा, तथा निजी कंपनियों में अंतिम चयन की प्रक्रिया से गुजरना होगा। गोदारा ने बताया कि विभाग का मुख्य उद्देश्य युवाओं और विभिन्न संस्थाओं को एक ही मंच पर लाकर सीधा संवाद स्थापित करना है, जिससे रोजगार उपलब्धता की प्रक्रिया अधिक प्रभावी हो सके। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि इस वर्ष जिले में और भी रोजगार शिविरों का आयोजन किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को लाभ मिल सके।

कृषि योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित

-प्राकृतिक खेती, नवाचार और किसानों की आय बढ़ाने पर जोर
-कृषि पर्यवेक्षक की निगरानी में होगा यूरिया वितरण : जिला कलक्टर

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। कृषि, उद्यानिकी, आत्मा एवं पशुपालन विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति को लेकर गुरुवार को जिला कलक्टर काना राम की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिला कलक्टर ने कहा कि "किसानों की आय वृद्धि तथा कृषि में नवाचार बढ़ाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी विभाग परस्पर समन्वय के साथ इस दिशा में प्रभावी कार्य सुनिश्चित करें।" बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत फार्म पॉण्ड, पाइपलाइन, कृषि यंत्र, तारबंदी, जैविक उर्वरक, मिट्टी स्वास्थ्य कार्ड, प्राकृतिक खेती, बीज वितरण, पीएमएफबीवाई समेत विभिन्न योजनाओं की प्रगति का विस्तृत समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने फार्म पॉण्ड एवं तारबंदी कार्यों में लक्ष्य के अनुरूप 150 प्रतिशत प्रशासनिक स्वीकृतियां जारी करने एवं पूर्ण कार्यों का पोस्ट वेरिफिकेशन तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए क्लस्टर आधारित किसानों की पहचान करने, प्रशिक्षण कैलेंडर जारी करने एवं प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर, कृषि सखी व क्षेत्रीय कृषि पर्यवेक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही, किसानों को जागरूक करने के लिए कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) व कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी) को राजीविका एवं सहकारिता विभाग के सहयोग से सक्रिय करने के निर्देश दिए। उन्होंने बायो इनपुट संसाधन केंद्रों की स्थापना, नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल के तहत तेल निष्कर्षण इकाइयों हेतु एफपीओ प्रस्ताव तैयार करने, सॉयल टेस्टिंग मोबाइल लैब उपलब्ध कराने हेतु संबंधित कम्पनियों से पत्राचार करने, कृषि सखियों एवं पशु सखियों को हर माह प्रशिक्षण एवं बैठक के माध्यम से योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में उद्यानिकी विभाग द्वारा पीएम कुसुम योजना के तहत पंजीकरण को शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान एग्रो-प्रोसेसिंग एवं अमरूद महोत्सव के आयोजन हेतु कार्य योजना आपसी समन्वय से अनुसार युद्ध स्तर पर तैयारियां प्रारम्भ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महोत्सव हेतु राज्य के महत्वपूर्ण कृषि महाविद्यालयों को आमंत्रित किया जाए। यूरिया के वितरण में गड़बड़ी करने, अन्य प्रदेशां में भेजने, स्टॉक छुपाने या अधिक दर लेने वालों के लाइसेंस होगे निलम्बित :- जिला कलक्टर ने जिले में यूरिया सहित खाद की बिक्री में शिकायतों को गंभीर मानते हुए, गड़बड़ी करने वालों पर कड़ी कार्यवाही करने के लिए निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिले में आगामी 15 दिवस के लिए खाद की मांग और आपूर्ति की स्थिति का स्पष्ट आकलन कर यूरिया के वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश संयुक्त निदेशक राकेश कुमार अटल को दिए। उन्होंने इस योजना तथा विभिन्न सहकारी समितियों सहित खाद वितरण केंद्रों पर यह सुनिश्चित करने को कहा कि किसी भी दुकान पर यूरिया की बिक्री कृषि पर्यवेक्षक की मौजूदगी में ही हो। उन्होंने कहा कि जिले में किसी भी बिक्री केंद्र पर यूरिया सूर्यास्त के बाद नहीं बिकेगा। प्रतिदिन शाम को कृषि पर्यवेक्षक खाद दुकाम में उपलब्ध स्टॉक का विवरण दर्ज करेंगे और अगली सुबह स्टॉक की स्थिति की जांच कर बिक्री शुरू करवाएंगे। साथ ही, खाद वितरण में अनियमितता की शिकायत पर विभागीय अधिकारी तत्काल जांच कर रिपोर्ट जिला प्रशासन को प्रेषित करेंगे। उन्होंने कहा कि अन्य प्रदेशां में भेजने, स्टॉक छुपाने या अधिक दर लेने वालों के लाइसेंस निलम्बित किए जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक किसान को पोस मशीन से आधारकार्ड के अनुसार यूरिया दिए जाएं, जिले में खाद की कमी नहीं है, अनावश्यक शॉर्ट नहीं रखा जाए।

नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के तहत सादुलशहर में जागरूकता कार्यशाला

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर डॉ. मंजू एवं जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के नेतृत्व में जारी नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के तहत डिग्री कॉलेज सादुलशहर में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लेकर नशा मुक्त भविष्य के प्रति अपना संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के विक्रम ज्याणी ने कहा कि नशा अब केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं रह गई, बल्कि यह शैक्षणिक संस्थानों और समाज के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि समाधान तब निकलता है जब समस्या पर बात ही नहीं, उस पर मन से चिंतन किया जाए। विद्यार्थियों को यह भी बताया गया कि नशे के गंभीर परिणाम केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, कैरियर, मानसिक संतुलन, परिवार की उम्मीदों और समाज की संवेदनशील संरचना को भी धीरे-धीरे नष्ट कर देते हैं। उन्होंने कहा कि जागरूकता सिर्फ जानकारी नहीं होती, यह जीवन बदलने का अवसर होती है। आज लिया गया छोटा सा निर्णय कल बड़ी सी जीत बन सकता है और बदलाव की शुरुआत समाज से नहीं, स्वयं से होती है। उन्हें प्रेरित करते हुए कहा गया कि नशे से दोस्ती मत कीजिए, किताबों, लक्ष्य और मेहनत से दोस्ती कीजिए, यही आपकी सच्ची ताकत है। कार्यशाला में नशे के मनोवैज्ञानिक प्रभाव, सामाजिक परिणाम, आत्मनियंत्रण के तरीके, सही और गलत निर्णयों के बीच अंतर की समझ तथा सकारात्मक जीवनशैली अपनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों नशा मुक्ति की शपथ दिलवाई गई। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर कॉलेज प्राचार्य, स्टाफ सदस्यों और आयोजकों ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नशा मुक्त युवा ही स्वस्थ समाज, मजबूत राष्ट्र और सुरक्षित भविष्य की नींव हैं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस पर जागरूकता पखवाड़े के तृतीय दिवस पीपराली में कार्यक्रम आयोजित

सीकर (रॉयल पत्रिका)। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा-निर्देशानुसार तथा महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक राजेन्द्र कुमार चौधरी के निर्देशन में अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस के अवसर पर आयोजित जागरूकता पखवाड़े के तृतीय दिवस पंचायत समिति सभागार पीपराली में महिला हिंसा मुक्त वातावरण विषयक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जेंडर स्पेशलिस्ट प्रकाश चन्द्र ने महिलाओं के प्रति होने वाली शारीरिक, मानसिक, आर्थिक, यौन एवं सामाजिक हिंसा के दुष्परिणामों तथा उनके समाधान की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि शिक्षा एवं जागरूकता के माध्यम से लैंगिक भूमिकाओं के प्रति आमजन की सोच में सकारात्मक परिवर्तन लाकर समाज में समानता स्थापित की जा सकती है। बेहतर कानूनों और उनके सख्त प्रवर्तन से ही बालिकाओं एवं महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। इस अवसर पर वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन 181, बाल हेल्पलाइन 1098, पुलिस सहायता 112 एवं अन्य सरकारी सहायता सेवाओं की जानकारी भी उपस्थित महिलाओं को दी गई। साथ ही यह संदेश दिया गया कि महिलाओं को हिंसा मुक्त, सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराना हम सभी का सामूहिक दायित्व है, जिसके लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को सजग, संवेदनशील एवं सक्रिय भूमिका निभानी होगी। सुपरवाइजर शकुंतला ने बताया कि 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक आयोजित इस पखवाड़े में महिला अधिकारिता विभाग द्वारा विभिन्न विभागों के सहयोग से जागरूकता गतिविधियाँ, शपथ कार्यक्रम, संवाद एवं परामर्श शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि महिलाओं के प्रति हिंसा के विरुद्ध मजबूत और सकारात्मक सामाजिक वातावरण तैयार किया जा सके। रामावतार पारीक ने बेटा-बेटी को समान अवसर प्रदान कर भेदभाव समाप्त करने तथा समाज में समानता स्थापित करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में पीपराली ब्लॉक की समस्त ग्राम साथिनें उपस्थित रहीं।

गर्भवती महिलाओं व बच्चों की स्वास्थ्य जांच कर लगाए जीवनरक्षक टीके

-प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस व मातृ शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस मनाया गया

सीकर (रॉयल पत्रिका)। चिकित्सा विभाग की ओर से गुरूवार को मातृ शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस तथा माह की 27 तारीख होने के कारण प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया गया। इस मौके पर चिकित्सालयों में चिकित्सकों ने गर्भवती महिलाओं व बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की और जीवनरक्षक टीके लगाए गए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक महरिया ने बताया कि हर माह की 9, 18 व 27 तारीख को विभाग की ओर से प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस पर गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच कर प्रसव के दौरान आने वाली जटिलताओं का समाधान किया जाता है। वहीं प्रत्येक गुरूवार को मातृ शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर गर्भवती व बच्चों को विभिन्न प्रकार की बीमारियों से बचाव के लिए टीके लगाए जाते हैं। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विशाल सिंह ने बताया कि चिकित्सा संस्थानों पर गर्भवती महिलाओं की हिमोग्लोबिन, एचआईवी, सिफलिस, ब्लड प्रेशर, हृदय स्पंदन व प्रसव से संबंधित जटिलताओं की जांच की गई। साथ ही गर्भवती महिला के शरीर में कैल्शियम व खून की कमी नहीं आए, इसके लिए आईएफए, कैल्शियम और अन्य आवश्यक दवाइयां दी। गर्भवती महिलाओं को अपने स्वास्थ्य का दुगुना ध्यान रखना चाहिए और समय समय पर स्वास्थ्य की जांच तथा टीके लगवाने चाहिए। दिन में कम से कम तीन बार भोजन करना चाहिए और प्रसव सरकारी अस्पताल में ही करवाना चाहिए। उन्होंने बताया कि गुरूवार को बच्चों को पीलिया, टीबी, हैपेटाइटिस बी, गलघोंटू, काली खांसी, निमोनिया, टिटनेस, मेनिनजाइटिस खसरा और रूबले, रोटा, दस्त आदि रोगों से बचाव के लिए टीके लगाए और उनको प्रसवपूर्व देखभाल के बारे में जानकारी दी गई। निरीक्षण कर लिया स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा दी गई सेवाओं को परखा जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विशाल सिंह ने गुरूवार को जिले के सरकारी अस्पतालों का निरीक्षण कर स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा गर्भवती व बच्चों को दी गई सेवाओं व सुविधाओं को परखा। उन्होंने जिले के आयुष्मान आरोग्य मंदिर हर्ष, मंडावरा, खोरी डूंगर, चौखा का बास, बिड़ोली व बानूडा पीएचसी का निरीक्षण कर स्टॉफ की उपस्थिति, साफ सफाई, दवाइयों की उपलब्धता, जांचों की स्थिति, उपकरणों का रखरखाव, टीकाकरण, प्रसव व एएनसी की प्रगति का जायजा लिया। साथ ही स्वास्थ्य कर्मियों ने टीकाकरण, प्रसव व एएनसी के लक्ष्य के अनुसार उपलब्धी अर्जित करने के निर्देश दिए।

भीनमाल ईआरओ मोहित कासनियां राज्य स्तर पर हुए सम्मानित

जालौर (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए गए विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत बेस्ट परफोर्मिंग ईआरओ में चयन होने पर राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन द्वारा गुरूवार को वीसी के माध्यम से भीनमाल विधानसभा के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी मोहित कासनियां को राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान द्वारा प्रेषित प्रशस्ति पत्र भीनमाल ईआरओ मोहित कासनियां को शुभकामना देते हुए प्रदान किया। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के तहत जिले में अब तक 1262095 गणना प्रपत्र हुए डिजीटाइज मतदाता भरे हुए परिगणना प्रपत्र 4 दिसम्बर से पूर्व बीएलओ के पास जमा करवाएं। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रदीप के. गावंडे के निर्देशन में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के गणना चरण के दौरान गणना प्रपत्रों को डिजीटाइज किया जा रहा है। मतदाता भरे हुए परिगणना प्रपत्र 4 दिसम्बर से पूर्व बीएलओ के पास जमा करवाएं। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने बताया कि जिले में एसआईआर-2026 के गणना चरण के दौरान गणना प्रपत्रों को डिजीटाइज भी किया जा रहा है। अब तक जालोर जिले में कुल 1262095 (82.86 प्रतिशत) गणना प्रपत्रों को डिजीटाइज किया गया। जिले के आहोर विधानसभा में 210398 (74.60 प्रतिशत), जालोर विधानसभा में 241448 (79.13 प्रतिशत), भीनमाल विधानसभा में 296247 (91.36 प्रतिशत), सांचौर विधानसभा में 289601 (88.72 प्रतिशत) व रानीवाड़ा विधानसभा में 224401 (78.65 प्रतिशत) गणना प्रपत्रों को डिजीटाइज किया जा चुका है। जिले में 195 बीएलओ द्वारा एसआईआर कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण किया जा चुका हैं जिसमें सर्वाधिक भीनमाल विधानसभा के 114 बीएलओ द्वारा शत-प्रतिशत एसआईआर पूर्ण किया गया है।

मोदी वर्ल्ड स्कूल में दो दिवसीय एडवेंचर कैंप का शानदार आयोजन

झुंझुनू (रॉयल पत्रिका)। मोदी वर्ल्ड स्कूल, विज्डम सिटी झुंझुनू में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए पहली बार एडवेंचर कैंप एवं मोबाइल प्लेनेटेरियम का शानदार आयोजन किया गया। कक्षा नर्सरी से कक्षा आठवीं तक के छात्रों ने इस रोमांचक कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह दो दिवसीय कैम्प 26 तथा 27 नवम्बर 2025 को स्कूल परिसर में आयोजित किया गया, जिसके पंजीकरण की अंतिम तिथि 25 नवम्बर 2025 थी। कैंप का संचालन चंडीगढ़ से आए प्रोफेशनल टीम एवं सुरक्षा विशेषज्ञों द्वारा किया गया, जिससे प्रत्येक गतिविधि सुरक्षित व सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न हुई। इस कैम्प में इको स्कूल एडवेंचर्स एण्ड एस्ट्रोनोमी चंडीगढ़ के ओनर क्षितीज सर के साथ-साथ सुशांत, रामजी, कपिल एवं अजय के नेतृत्व में सभी एक्टीविटी करवाई गई। कैम्प में छात्रों ने जिप लाइन, रोलर, बॉडी जोर्ब, मोगली वॉक, टार्जन स्विंग, हॉप स्कैच, वॉल क्लाइम्बिंग, कमांडो नेट एवं डबल रोप ब्रिज जैसी रोमांचक एडवेंचर गतिविधियों का अनुभव लिया। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलियन ट्रॉली, हैम्स्टर व्हील, टेंट पिचिंग, हिपिटी हॉप रेस, आर्चरी बोर्ड, बाउंसी, म्यूजिक आदि मजेदार गेम्स ने पूरे वातावरण को उत्साह से भर दिया। मोबाइल प्लेनेटेरियम के 3-डी, 360 डिग्री डोम में विद्यार्थियों ने ब्रह्माण्ड, ग्रह-नक्षत्रों एवं अंतरिक्ष के रहस्यों को वैज्ञानिक तरीके से समझा। आकर्षक डोम प्रोजेक्शन, क्विज सत्र तथा विजेताओं को दिए गए पुरस्कारों ने इस अनुभव को और यादगार बना दिया। स्कूल डायरेक्टर आकाश मोदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों में नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क, आत्मविश्वास तथा समस्या-समाधान कौशल को बढ़ावा देते हैं। बाहरी साहसिक अनुभवों और अंतरिक्ष विज्ञान की अद्‌त दुनिया-दोनों का संगम बच्चों के लिए एक अविस्मरणीय सीख बना है। मोदी वर्ल्ड स्कूल निरंतर ऐसी गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को ज्ञान, कौशल और अनुभव के नए आयाम प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस कैंप में चेयरमैन डॉ. दिलीप मोदी, मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीमती नीरजा मोदी, डायरेक्टर आकाश मोदी, गरिमा मोदी,छात्रावास निदेशक कुरड़ाराम धींवा, प्रिंसिपल डॉ. रवि शंकर शर्मा, वाइस प्रिंसिपल श्रीमती सरोज सिंह, हैड मिस्ट्रेस श्रीमती उमा शर्मा, एडमिशन डायरेक्टर श्याम सुंदर शर्मा, एडमिनिस्ट्रेटर कमलेश कुलहरि सहित समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत 21 दिसंबर हेतु बैंक एवं वित्तीय संस्थान तथा विभिन्न विभागों के अधिकारीगण के साथ बैठक का आयोजन

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार वर्ष 2025 की चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन रविवार, 21 दिसंबर को किया जायेगा। इस राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल क्रियान्वयन तथा कार्य योजना के लिए गुरूवार को अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) जोधपुर महानगर अजय शर्मा के निर्देशानुसार सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जोधपुर महानगर राकेश रामावत द्वारा बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के अधिकारीगण, पैनल अधिवक्तागण, प्रभारी अधिकारी राजस्व लोक अदालत जोधपुर तथा विभिन्न प्रशासनिक एवं पुलिस विभाग के अधिकारीगण के साथ बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में सचिव रामावत द्वारा विभिन्न विभागों के अधिकारीगण को आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए न्यायालय में लंबित प्रकरणों एवं प्रि-लिटिगेशन प्रकरणों को अधिक से अधिक संख्या में चिन्हित करने तथा निस्तारण के प्रयास करने के लिए निर्देशित किया गया। साथ ही बैठक में उपस्थित पुलिस अधिकारीगण को राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए न्यायालय से जारी सम्मन/नोटिस की तामील त्वरित एवं प्रभावी रूप से कराने के लिए निर्देशित किया गया। सचिव रामावत द्वारा इस बैठक में उपस्थित विभिन्न बैंक, वित्तीय संस्थानों तथा भारत संचार निगम लिमिटेड (BSNL) के अधिकारीगण एवं अधिवक्तागण को राजीनामा योग्य लंबित प्रकरणों एवं धन वसूली के प्री-लिटिगेशन प्रकरणों को अधिक से अधिक संख्या में चिन्हित करने तथा प्रि-कांउसलिंग करवाई जाने के निर्देश दिए गए ताकि आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में धन वसूली तथा 138 एन.आई. एक्ट के अधिक से अधिक प्रकरणों का निस्तारण किया जा सके। राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 21 दिसंबर, 2025 के लिए प्री-लिटिगेशन प्रकरणों को प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि 12 दिसंबर, 2025 है अतः अन्तिम तिथि से पूर्व प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करने निर्देश भी उपस्थित अधिकारीगण को दिए गए। इसी के साथ ही माननीय राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार सचिव महोदय द्वारा गुरूवार को केंद्रीय कारागृह, जोधपुर, बाल बसेरा चाईल्ड केयर होम, बचपन चिल्ड्रन केयर होम, सिद्धार्थ मानसिक विमंदित गृह तथा मदर टेरेसा मानसिक विमंदित गृह, जोधपुर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दौरान बंदियों को उनके प्रकरणों की वर्तमान स्थिति से अवगत करवाया गया तथा बंदियों द्वारा बताई गई समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश प्रदान किये गये तथा बाल गृहों तथा विमंदित गृह में आवासित बच्चों से वार्तालाप कर उनके भोजन, स्वास्थ्य, चिकित्सा आदि की जांच-पड़ताल कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

फील्ड स्तरीय वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जालौर (रॉयल पत्रिका)। वित्तीय समावेशन और विकास विभाग भारतीय रिजर्व बैंक जयपुर के तत्वावधान में गुरूवार को ग्रेनाइट एसोसिएशन के सभा भवन जालोर में फील्ड स्तरीय वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वित्तीय साक्षरता, जन सुरक्षा बीमा, अटल पेंशन, बैंकिंग लोकपाल व साइबर फ्रोड से बचने के उपाय पर विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान बच्चों के साथ प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया तथा उन्हें पारितोषिक भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम में भारतीय रिजर्व बैंक, जयपुर के सहायक महाप्रबंधक जे के नायर व मनीष, मण्डल प्रबंधक विंध्याचल सिंह, भारतीय स्टेट बैंक क्षेत्रीय कार्यालय, जालोर के सहायक महाप्रबंधक रमेश राम टांक, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र के अनन्त आर्य, राजस्थान ग्रामीण बैंक जालोर के क्षेत्रीय प्रबंधक के प्रतिनिधि मनीष कुमार, जिला अग्रणी बैंक के मुख्य प्रबंधक रमेश कुमार, सहायक अग्रणी बैंक कार्यालय अर्जुन परिहार एवं साईबर क्राइम की रोकथाम के एक्सपर्ट टीम के मोहनलाल, चंपालाल, सुरेश चौधरी व चंद्राराम कुमावत, अशोक सिंह, मुमताज पठान, रमजान खान, नेमाराम, भंवर लाल, अजय कुमार उपस्थित रहे।

बाल विवाह मुक्त भारत, 100 दिवसीय जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिले में बाल विवाह के उन्मूलन के लिए 100 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान 27 नवंबर से 10 मार्च 2026 तक चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत बामला व दीगोद खालसा गांवों मे गुरुवार को बाल अधिकारिता विभाग, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, सृष्टी सेवा समिति बारां के संयुक्त तत्वाधान मे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बामला व दीगोद खालसा में जागरूकता बैठक एवं रैली व शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। बाल अधिकारिता विभाग सहायक निदेशक राकेश कुमार वर्मा ने बताया कि बैठक में सभी ब्लॉक महिला समूह साथिनों और स्कूल के विद्यार्थियों को बाल विवाह की सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर करने के लिए जागरूक किया गया। ताकि जिले मे बाल विवाह की प्रभावी रोकथाम हो सके। बाल विवाह मुक्त भारत 100 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान के अंतर्गत जागरूकता बैठक एवं रैली व शपथ कार्यक्रम, मे विभिन्न ब्लॉक से महिला साथिन एवं बाल अधिकारिता विभाग से लोकेश, प्रियंका खत्री, पूनम गुप्ता, सुरभि गौतम, श्वेता अदलक्खा, पवन, जगदीश व सृष्टी सेवा समिति से जिला समन्वयक विजय कुशवाह, फील्ड कोऑर्डिनेटर राजेन्द्र कुशवाह, चेतन नामा, कमल प्रजापति मौजूद रहे।

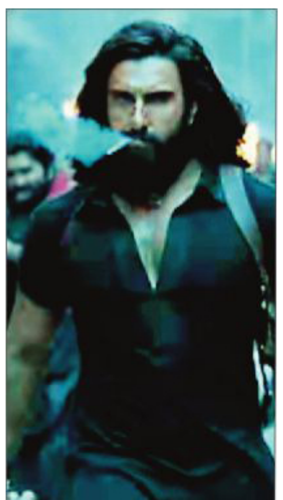

धुरंधर में दिखा पाकिस्तानी टाउन ल्यारी का गैंग वॉर

मुंबई। रणवीर सिंह की अपकमिंग फिल्म 'धुरंधर' का आठ नवंबर को ट्रेलर रिलीज हुआ। इसमें पाकिस्तान के मशहूर टाउन ल्यारी के गैंग वॉर की झलक दिखी। यह गैंग वॉर 2009 से लेकर एक दशक तक चला था। अब, ल्यारी के लोगों ने इस पर प्रतिक्रिया दी है कि रणवीर सिंह की फिल्म में उनके शहर को कैसे दिखाया गया है। 'धुरंधर' के ट्रेलर में रणवीर सिंह को जासूस, अक्षय खन्ना को रहमान डकैत और संजय दत्त को चौधरी असलम के रूप में दिखाया गया है। ये सभी किरदार असल जिंदगी से प्रेरित बताए जाते हैं। फिल्म की टीम ने भारत में सेट पर पूरे ल्यारी टाउन को फिर से बनाया है। ल्यारी से ताल्लुक रखने वाले एक व्यक्ति ने कहा 'इंडिया वालों ने फिल्म बना ली है, हमसे तो पूछते। हम उनको ल्यारी की गलियां दिखाते। रहमान डकैत के बारे में भी बताते।' कई दूसरे स्थानीय लोगों ने कहा कि फिल्म में चौधरी असलम का किरदार सही दिखाया गया है। जबकि अक्षय खन्ना के रूप में रहमान डकैत का लुक असली गैंगस्टर की तरह नहीं दिखता।

लाइफ Style

गिरिजा

बहुत घटिया मैसेज करते हैं लोग

ब्लू साड़ी गर्ल के नाम से वायरल हुईं गिरिजा ओक ने बताया है कि इस फेम से उन्हें कुछ फायदा नहीं हुआ बल्कि लोग घटिया मैसेज करने लगे हैं। गिरिजा ने बताया कि लोग उन्हें सोशल मीडिया पर कैसे मैसेज करते हैं। गिरिजा ओक बीते कुछ समय से चर्चा में हैं। रीसेंटली एक इंटरव्यू के वीडियोज वायरल होने के बाद वह रातोंरात सनसनी बन गईं। लोग उन्हें नैशनल क्रश बुलाने लगे। इतना ही नहीं गिरिजा का डीएम अच्छे-बुरे कई तरह के मैसेजज से भर गया। लोगों ने अश्लील बातें भी लिखीं, जिसके बाद उन्हें एक लाइव भी करना पड़ा।

एजेंसी ▸▸| मुंबई

गिरिजा हिंदी, मराठी फिल्में और सीरियल्स कर चुकी हैं। उन्होंने तारे जमीन पर, शोर इन द सिटी, जवान, कला जैसी फिल्मों में काम किया है। अब फिर से अचानक लाइमलाइट में आने पर उन्होंने बात की है। गिरिजा ओक एक इंटरव्यू के बाद इस कदर वायरल हुईं कि लोग उन्हें नेशनल क्रश बुलाने लगे। एक नए इंटरव्यू में उन्होंने इस बारे में बात की। गिरिजा बोलीं, 'कोई पूछे कि कुछ बदलाव हुआ। मैंने कहा नहीं, मुझे कोई ज्यादा काम के ऑफर नहीं मिलने लगे।' गिरिजा ने वायरल होने के नेगेटिव इफेक्ट्स बताए। बोलीं कि लोग उन्हें बहुत घटिया मैसेज कर रहे हैं। गिरिजा बताती हैं, 'कोई बोलता है, 'मैं तुम्हारे लिए कुछ भी कर सकता हूं, बस एक मौका दो। किसी ने मेरे रेट तक पूछे कि एक घंटा बिताने की कीमत क्या है। कई ऐसे मैसेज हैं।' अगर ये लोग हकीकत में मेरे सामने होंगे तो नजर उठाकर देख भी नहीं पाएंगे। पर्दे के पीछे लोग कुछ भी बोलते हैं। सामने से प्यार और सम्मान देते हैं।' बीते दिनों गिरिजा ओक की नीली साड़ी में एक तस्वीर वायरल हुई। यह तस्वीर उनके एक इंटरव्यू की थी। गिरिजा एक्स पर ट्रेंड कर रही थीं और हर कोई जानना चाह रहा था कि वह कौन हैं। लोग उनका नाम और इंस्टाग्राम खोज रहे थे। गिरिजा ने वाइट स्लीवलेस ब्लाउज, आसमानी साड़ी पहनी थी।

हॉलीवुड मसाला

सुपरमैन ओटीटी पर 11 दिसंबर को होगी रिलीज

लॉस एंजिल्स। जेम्स गन के डायरेक्शन में बनी 'सुपरमैन' जब इस साल जुलाई 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई, तो सबसे बड़े, सबसे पुराने और सबसे ताकतवर सुपरहीरो को देखने के लिए भीड़ लग गई थी। दुनियाभर में बॉक्स ऑफिस पर 5240.28 करोड़ रुपए का ग्रॉस कलेक्शन करने वाली यह फिल्म, अब 5 महीने बाद ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है। सुपरमैन के इंडियन फैंस अपने फेवरेट सुपरहीरो की इस फिल्म को 11 दिसंबर से घर बैठे स्ट्रीम कर सकते हैं। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म जियोहाटस्टार पर अंग्रेजी के साथ ही हिंदी डब वर्जन और बाकी भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध होगी। डीसी यूनिवर्स की यह फिल्म 'सुपरमैन फिल्म सीरीज' का रीबूट है। इसमें डेविड कोरेंसवेट ने क्लार्क केंट यानी सुपरमैन का किरदार निभाया है।

भारत में स्ट्रेंजर थिंग्स' सीजन 5 के एपिसोड आज होंगे स्ट्रीम

लॉस एंजिल्स। मिली बॉबी ब्राउन स्टारर 'स्ट्रेंजर थिंग्स' सीजन 5, लगभग तीन साल के इंतजार के बाद ओटीटी पर रिलीज होने को तैयार है। साइंस-फिक्शन कहानी का पहला सीजन साल 2016 में शुरू हुआ था। सीजन 5 में उन सवालों के जवाब मिलेंगे जो सीजन चार में अधूरे रह गए थे। नेटफ्लिक्स 'स्ट्रेंजर थिंग्स 5' के पहले चार एपिसोड 26 नवंबर कर दिया है। क्रिसमस पर तीन एपिसोड और न्यू ईयर की शाम को फिनाले एपिसोड रिलीज करेगा। भारत में ये सभी एपिसोड 27 नवंबर से सुबह 6:30 बजे से स्ट्रीम होंगे। पांचवें सीजन की रिलीज की तारीखें इस तरह हैं। वॉल्यूम 1: 27 नवंबर, वॉल्यूम 2: 26 दिसंबर 2025, फाइनल : 01 जनवरी 2026। 'स्ट्रेंजर थिंग्स 5' के हर वॉल्यूम में चार एपिसोड होंगे। इन सबकी लंबाई लगभग 54 मिनट से लेकर 1 घंटा 23 मिनट होगी। 'स्ट्रेंजर थिंग्स 5' के रिलीज के बारे में जानकारी देते हुए नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर लिखा 'फील्डिंग सेट है। स्ट्रेंजर थिंग्स 5 का पहला वॉल्यूम 27 नवंबर को सिर्फ नेटफ्लिक्स पर देखें।' सीरीज में मिली बॉबी ब्राउन, डेविड हार्बर, विनोना राइडर, फिन वोल्फहार्ड, गेटन मताराजो, केलेब मैकलॉघलिन और नोआ श्नैप जैसे कलाकार नजर आएंगे।

बहुत जल्दी हो जाती हैं इमोशनल : अनीत

मुंबई। सैयारा एक्ट्रेस अनीत पड्डा ने हाल ही में बताया कि वह बहुत जल्दी इमोशनल हो जाती हैं। वह हफ्ते में एक बार कुछ ऐसा देख लेती हैं कि खुद को रोने से रोक नहीं पाती हैं। उनका कहना है कि इन खास चीजों में उनको प्यार महसूस होता है। जिससे उन्हें अपने काम को और बेहतर करने का दबाव भी महसूस होता है। 23 साल की अनीत ने ग्राजिया इंडिया से बातचीत में कहा, 'मैं बहुत संवेदनशील हूं। जो प्यार मुझे फैंस से मिल रहा है, उसके साथ न्याय करने की जिम्मेदारी कभी-कभी भारी लगती है। ये बहुत खूबसूरत है, लेकिन कई बार बहुत ज्यादा भी हो जाता है।' अनीत कहती हैं कि फैंस का इतना प्यार देखकर अच्छा लगता है, लेकिन उम्मीद भी बढ़ जाती है कि वह उस प्यार के लायक बनें। यही वजह है कि फैन एडिट्स देखकर उनकी आंखें भर आती हैं। अनीत ने मॉडलिंग से अपना करियर शुरू किया।

धनुष-कृति की फिल्म से हटाया अश्लील शब्द

मुंबई। धनुष और कृति सेनन की फिल्म 'तेरे इश्क में' इस शुक्रवार को थिएटर में दस्तक देगी। रिलीज से पहले सेंसर बोर्ड में गई इस फिल्म को सीबीएफसी की तरफ से सर्टिफिकेट मिल चुका है। आनंद एल राय की मूवी का रनिंग टाइम कितना है और इसमें कौन से सींस और डायलॉग्स में बदलाव किए गए हैं। सेंसर बोर्ड का रवैया पास्ट में बड़ी-बड़ी फिल्मों के प्रति सख्त रहा है और कई-कई सीन से बड़े-बड़े डायलॉग्स तक हटाए गए हैं, लेकिन 'तेरे इश्क में' के साथ ऐसा नहीं हुआ है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म को सिर्फ एक कट के साथ सेंसर बोर्ड ने पास कर दिया है और इसी के साथ मूवी से एक 'अश्लील' सीन को हटाया गया है। इस रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि सेंसर बोर्ड ने फिल्म में से एक भी एक्शन या इंटीमेट सीन और विजुअल्स नहीं हटवाया है।

टीवी मसाला

शादी टालने के बाद स्मृति ने कैंसिल किया केबीसी 17 में जाना

मुंबई। भारतीय क्रिकेटर स्मृति मंधाना ने 'केबीसी 17' में पार्टिसिपेट नहीं कर रही हैं। वह भारतीय महिला क्रिकेट टीम के साथ अमिताभ बच्चन के शो में वर्ल्ड कप स्पेशल एपिसोड में हिस्सा लेने वाली थीं। लेकिन, म्युजिशियन पलाश मुच्छल के साथ शादी टल जाने के वजह से उन्होंने 'केबीसी 17' में अपने साथी क्रिकेटर्स के साथ हिस्सा नहीं लिया। 'केबीसी 17' के उस एपिसोड में हरमनप्रीत कौर, ऋचा घोष और शैफाली वर्मा समेत कई भारतीय महिला क्रिकेटर्स शामिल होंगी और क्विज गेम खेलेंगी। 'केबीसी 17' के इस एपिसोड में स्मृति मंधाना को शामिल नहीं है। जब यह खबर सामने आई तो कई लोग हैरान रह गए, क्योंकि स्मृति काफी पॉपुलर हैं और टीम की सफलता में उनकी अहम भूमिका रही है। जब यह खबर आई कि स्मृति मंधाना केबीसी में नजर नहीं आएंगी, तो उनके फैंस के बीच मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। स्मृति दुनिया की सबसे लोकप्रिय क्रिकेट खिलाड़ियों में से एक हैं, ऐसे में उनके फैंस उन्हें केबीसी में देखने की उम्मीद कर रहे थे और इस खबर से निराश भी हुए. हालांकि, स्मृति को काफी सपोर्ट भी मिला और कई लोगों ने उनके पिता के जल्द स्वस्थ होने और स्मृति की मानसिक सेहत के लिए शुभकामनाएं दीं। बता दें, स्मृति मंधाना की शादी 23 नवंबर 2025 को सिंगर पलाश मुच्छल से होने वाली थी, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा. स्मृति को इस समय अपने पिता श्रीनिवास मंधाना की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के चलते उनकी मदद करनी पड़ रही है।

टिकट टू फिनाले टास्क में जीता गौरव

नई दिल्ली। बिग बॉस 19 में टिकट टू फिनाले टास्क दिया गया था, जिसमें 4 सदस्य शामिल हुए थे। इसमें अशनूर कौर, प्रणीत मोरे, गौरव खन्ना और फरहाना भट्ट थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन चारों में से गौरव खन्ना ने सीधे फिनाले में जगह बना ली है। यानी कि शो को अपना पहला फाइनलिस्ट मिल गया है। चारो कंटेस्टेंट के लिए तीन राउंड हुए थे, सभी राउंड 20 मिनट के थे। इसमें पहले राउंड में फरहाना भट्ट बाहर हुईं। इसके बाद दूसरे राउंड में प्रणीत मोरे। फिर गौरव और अशनूर में टक्कर थी। इसके बाद तीसरे और आखिरी राउंड में अशनूर बाहर हो गईं और गौरव खन्ना ने टास्क जीत लिया। इसी के साथ बिग बॉस 19 को अपना पहला फाइनलिस्ट मिल गया। बिग बॉस 19 में इस वक्त केवल आठ प्रतियोगी बचे हैं, जिसमें गौरव खन्ना अब फाइनल में पहुंच चुके हैं। अब फरहाना भट्ट, अमाल मलिक, तान्या मित्तल, प्रणीत मोरे, अशनूर कौर, शहबाज बदेशा और मालती चाहर के बीच टक्कर है। यह देखना दिलचस्प होगा कि अगला फाइनलिस्ट कौन होता है।

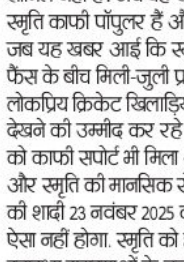

किस किसको प्यार करूं 2 का ट्रेलर रिलीज

चार पत्नियों के चक्कर में उलझे कपिल

मुंबई। कॉमेडियन कपिल शर्मा की अपकमिंग फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' की रिलीज का दर्शकों को काफी इंतजार है। इससे पहले इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। यह फिल्म साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म 'किस किसको प्यार करूं' का सीक्वल है। 'किस किसको प्यार करूं 2' के ट्रेलर में दिखाया गया है कि कपिल शर्मा गलतफहमी के चलते तीन शादियां कर लेते हैं। इसके बाद वह तीनों पत्नियों की डिमांड पूरी करते-करते परेशान हो जाते हैं। तीनों पत्नियों के घर वाले कपिल शर्मा को अपना दामाद समझते हैं और उन पर अपना हक जमाते हैं। इसके बाद एक पुलिस वाला कपिल शर्मा से मिलता है। पुलिस वाला कपिल से कहता है कि वह उस इंसान की तलाश में हैं, जिसने तीन शादियां की हैं और अब चौथी करना चाहता है। कपिल शर्मा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' का ट्रेलर शेयर किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा है 'चार पत्नियां। इसे घर पर करने की कोशिश न करें। यह स्टंट हमारे एक्सपर्ट ने किया है। किस किसको प्यार करूं 2 सिनेमाघरों में 12 दिसंबर को रिलीज हो रही है। 'किस किसको प्यार करूं 2' का ट्रेलर दर्शकों को अच्छा लगा है। ट्रेलर में असरानी की झलक दिखी है। उन्होंने इस पर कमेंट किए हैं। एक यूजर ने लिखा है 'असरानी सर।' एक और यूजर ने लिखा है 'असरानी को देखकर अच्छा लगा।' एक और यूजर ने लिखा है 'ट्रेलर बहुत अच्छा है। फिल्म का इंतजार है।'

ऑस्कर 2026 की रेस में देश की सबसे ज्यादा कमाई वाली एनिमेटेड फिल्म

मुंबई। 2025 में रिलीज हुई एनिमेटेड फिल्म महावतार नरसिम्हा ऑस्कर 2026 की लिस्ट में शामिल हो चुकी है। 98वें एकेडमी अवॉर्ड्स की एलिजिबिलिटी लिस्ट में इस फिल्म का नाम आया है। मतलब ये फिल्म साल 2026 ऑस्कर अवॉर्ड के लिए शॉर्टलिस्ट हुई है। इस लिस्ट में दुनियाभर की 34 और फिल्में शामिल हैं। महावतार नरसिम्हा जुलाई के महीने में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म के नाम एक खास रिकॉर्ड है। ये फिल्म अबतक भारत की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली एनिमेटड फिल्म है। महावतार नरसिम्हा के अलावा द बैड गायज 2, ब्लैक बटरफ्लाइज, बॉयज गो टू जुपिटर, डॉग मैन, डॉग ऑफ गॉड, के पॉप डीमन हंटर्स, जूटोपिया 2, स्लाइड, द ट्विट्स और स्टिच हेड जैसी एनिमेडेट फिल्में 98वें एकेडमी अवॉर्ड्स की एलिजिबिलिटी लिस्ट में शामिल हैं। बेस्ट एनिमेटेड फीचर फिल्म कैटेगरी में शामिल होने के लिए फिल्मों को कुछ शर्तें पूरी करनी होती हैं। इन शर्तों के मुताबिक, फिल्म कम-से-कम 40 मिनट लंबी होनी चाहिए। फिल्म का 75 पर्सेंट हिस्सा एनिमेटेड होना चाहिए। फिल्म को अमेरिका के कुछ चुनिंदा बड़े शहरों में कम से कम 7 दिन लगातार थिएटर में दिखाया जाना चाहिए।

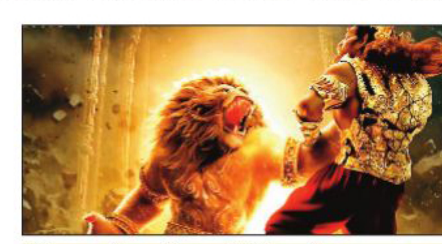

लिस्ट में शामिल ये फिल्में

अगर इस लिस्ट में 16 से अधिक फिल्में शामिल होती हैं तो उनमें से पांच फिल्मों को फाइनल नॉमिनी के रूप में सेलेक्ट किया जाता है। उन पांच में से किसी एक को ऑस्कर मिलता है। 2026 के लिए करीब 35 फिल्में शॉर्टलिस्ट हुई हैं। अब अगर महावतार नरसिम्हा का नाम फाइनल लिस्ट में आता है तो वो बेस्ट एनिमेटेड फीचर कैटेगरी में चुनी जाने वाली पहली भारतीय फिल्म बनेगी।

रोमांस, देशभक्ति, हॉरर-कॉमेडी, साइंस-फिक्शन एक ही मौके पर दर्शकों को मिलेगा

बॉक्स ऑफिस पर आपस में भिड़ेंगी ये फिल्में, एक में धर्मेंद्र आएंगे नजर

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

इस साल क्रिसमस के मौके पर बॉक्स ऑफिस पर कुछ बड़ी फिल्मों की टक्कर देखने को मिलने वाली है। कई फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही हैं। रोमांस, देशभक्ति, हॉरर-कॉमेडी, साइंस-फिक्शन और फैंटसी एक्शन- सब कुछ एक ही मौके पर दर्शकों को मिलने वाला है।

तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी

कार्तिक आर्यन अपने 35वें जन्मदिन पर फैंस को बड़ा तोहफा दे चुके हैं। उनकी और धर्मा प्रोडक्शन की नई रोमांटिक फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' का टीज़र लॉन्च होते ही चर्चा में आ गया। पूरी तरह इमोशनल रोमांस और मॉडर्न रिलेशनशिप की जटिलताओं को दर्शाती यह फिल्म 25 दिसंबर को रिलीज हो रही है। क्रिसमस पर परिवारों और युवाओं के लिए यह फिल्म एक हल्की-फुल्की और दिल छू लेने वाली पेशकश हो सकती है।

एनाकोंडा

हॉलीवुड भी इस तारीख को खाली छोड़ने के मूड में नहीं है। 'एनाकोंडा 2025' एक मेटाफिक्शनल हॉरर-कॉमेडी के रूप में आ रही है, जिसमें दो दोस्त अपनी फेवरिट 1997 की फिल्म का रीमेक बनाने अमेजन जंगल तक पहुंच जाते हैं- लेकिन वहां उनका सामना एक अप्रत्याशित डरावनी यात्रा से होता है। जैक ब्लैक और पॉल रड की मौजूदगी ही इस फिल्म को क्रिसमस पर हंसी और डर का कॉम्बो बना देती है।

वृषभ

दक्षिण भारतीय सिनेमा की तरफ से मोहनलाल की भव्य फैंटसी-एक्शन फिल्म 'वृषभ' भी 25 दिसंबर को रिलीज हो रही है। नंदा किशोर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रोशन मेका, शनाया कपूर और जहरा एस. खान भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। शानदार वीएफएक्स और पौराणिक टच इस फिल्म को पैन-इंडिया दर्शकों के लिए खास बनाते हैं।

अवतार

जेम्स कैमरून की सुपरहिट अवतार श्रृंखला की तीसरी कड़ी 19 दिसंबर को सिनेमाघरों में आएगी और यह आसानी से क्रिसमस वीक तक बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाए रखेगी। इस बार कहानी पेंडोरा के एक नए और आक्रामक नावी कबीले ऐश लोग पर फोकस करेगी। जेक और नेतिरी का संघर्ष और भी खतरनाक और भावनात्मक होने वाला है। इस फिल्म की लोकप्रियता का असर बाकी सभी रिलीज पर पड़ेगा।

इक्कीस

कार्तिक की फिल्म को सबसे कड़ा मुकाबला देने उतर रही है श्रीराम राघवन की 'इक्कीस', जिसमें अगस्त्य नंदा, धर्मेंद्र, जयदीप अहलावत और कई मजबूत कलाकार नजर आने वाले हैं। यह फिल्म परमवीर चक्र विजेता लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल की बहादुरी पर आधारित है- 1971 के युद्ध में साहस और बलिदान की दास्तान। मैडॉक फिल्म्स और दिनेश विजान की प्रस्तुति वाली यह फिल्म उन दर्शकों को आकर्षित करेगी जो असली हीरो की कहानियों से जुड़ाव महसूस करते हैं। क्रिसमस पर रोमांस बनाम देशभक्ति- यही मुकाबला देखने लायक होगा।

डब्ल्यूपीएल मेगा नीलामी : दीप्ति सबसे महंगी खिलाड़ी, चरणी और केर को भी अच्छे दाम

दीप्ती को यूपी वॉरियर्स ने 3.20 करोड़ रुपये में खरीदा ▸ मुंबई इंडियंस ने अमेलिया केर को 3 करोड़ में खरीदा ▸ यूपी वारियर्स ने शिखा पांडे को 2.40 लाख में खरीदा ▸ 67 प्लेयर्स पर 40.8 करोड़ की बोली ▸ 11 खिलाड़ियों को 1 करोड़ से ज्यादा मिले ▸ नीलामी के लिए 276 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया ▸ ऑक्शन पूल में 128 खिलाड़ियों के नाम लाए गए

भाषा ▸ नई दिल्ली

भारत की स्टार हरफनमौला दीप्ति शर्मा बृहस्पतिवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की नीलामी में सबसे महंगी खिलाड़ी बनी, जबकि वनडे विश्व कप स्टार श्री चरणी और लौरा वोल्वार्ट को भी अच्छे दाम मिले। यूपी वारियर्स ने 'राइट टू मैच' कार्ड का इस्तेमाल करके तीन करोड़ 20 लाख रूपये में खरीदा। अब वह डब्ल्यूपीएल के इतिहास में स्मृति मंधाना के बाद सबसे महंगी भारतीय खिलाड़ी हैं। मंधाना को उनसे 20 लाख रूपये अधिक मिले थे। यूपी वारियर्स के

दीप्ति शर्मा

अमीलिया केर

मेग लैनिंग

सोफी डेवाइन

पूजा वस्त्रकार

क्रांति गौड़

क्रिकेट संचालन निदेशक क्षेमल वैंगनकर ने कहा ,'हमें इसी के आसपास बोली लगने की उम्मीद थी। इसमे कोई शक नहीं था कि हम दीप्ति को वापिस चाहते थे।''

मुंबई इंडियंस ने पिछले साल संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट लेने वाली न्यूजीलैंड की हरफनमौला अमेलिया केर को तीन करोड़ रूपये में खरीदा। केर 2023 और 2025 में खिताब जीतने वाली मुंबई टीम का हिस्सा थी। यूपी वारियर्स ने अनुभवी हरफनमौला शिखा पांडे को दो करोड़ 40 लाख रूपये में खरीदा जिन्होंने आखिरी बार भारत के लिये 2023 में खेला था। विश्व कप में भारत की खिताबी जीत की सूत्रधारों में रही लेग स्पिनर श्री चरणी को दिल्ली कैपिटल्स ने 30 लाख रूपये के उनके बेसप्राइज से कई गुना अधिक एक करोड़ 30 लाख रूपये में खरीदा। विश्व कप उपविजेता दक्षिण अफ्रीका की सलामी बल्लेबाज लौरा वोल्वार्ट को दिल्ली कैपिटल्स ने एक करोड़ 10 लाख रूपये में खरीदा।

दिल्ली ने वेस्टइंडीज की बल्लेबाज चिनेले हेनरी को एक करोड़ 30 लाख रूपये में और भारतीय हरफनमौला स्नेह राणा को 50 लाख रूपये में खरीदा।

आस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग को यूपी वारियर्स ने एक करोड़ 90 लाख रूपये में खरीदा जबकि गुजरात टाइटंस ने न्यूजीलैंड की सोफी डेवाइन को गुजरात टाइटंस ने दो करोड़ रूपये में खरीदा।

वारियर्स के पास नीलामी के लिए 14 करोड़ 50 लाख रूपये का पर्स था। उन्होंने एक बार फिर 'राइट टू मैच' कार्ड का इस्तेमाल करके इंग्लैंड की स्पिनर सोफी एक्सेलेटन को 85 लाख रूपये और तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ को 50 लाख रूपये में खरीदा।

उन्होंने हरलीन देयोल को 50 लाख रूपये में खरीदा जबकि गुजरात ने भारतीय तेज गेंदबाज रेणुका सिंह को 60 लाख रूपये में खरीदा।

दक्षिण अफ्रीका की फिनिशर नडाइन डि क्लेर्क को आरसीबी ने 65 लाख रूपये में खरीदा। आरसीबी ने हरफनमौला अरूंधति रेड्डी को 75 लाख और राधा यादव को 65 लाख रूपये में खरीदा। आस्ट्रेलिया की फीबी लिचफील्ड को वारियर्स ने एक करोड़ 20 लाख रूपये में खरीदा।

खबर संक्षेप

नागल ऑस्ट्रेलियाई ओपन के वाइल्ड कार्ड प्लेऑफ टूर्नामेंट से बाहर

चेंग्दू (चीन)। पुरुष एकल में भारत के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल गुरुवार को यहां क्वार्टर फाइनल में चीन के युनचाओकेटे बु से सीधे सेटों में हारकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन एशिया-पैसिफिक वाइल्ड कार्ड प्ले-ऑफ टूर्नामेंट से बाहर हो गए। टूर्नामेंट में छठी वरीयता प्राप्त नागल को शीर्ष वरीयता प्राप्त चीनी प्रतिद्वंद्वी से 2-6, 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। चेंग्दू में 24 से 29 नवंबर तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में पुरुष और महिला एकल के विजेता को ऑस्ट्रेलियाई ओपन में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिलेगा। नागल का वीजा से जुड़े मामले के कारण एक समय इस प्रतियोगिता में खेलना अनिश्चित था लेकिन बाद में यह मसला सुलझा दिया गया था।

क्लीन स्वीप झेलने के बावजूद बीसीसीआई नहीं करेगा कोई बड़ा बदलाव

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के खिलाफ एक और घरेलू सीरीज हार और 12 महीनों में दूसरी क्लीन स्वीप के बावजूद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड किसी जल्दबाजी वाले कदम के मूड में नहीं है। बोर्ड जल्द ही चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन से बातचीत कर राय लेगा। बड़े बदलाव की संभावना न के बराबर है। माना जा रहा है कि चयनकर्ता और टीम प्रबंधन टीम पर भरोसा बनाए रखेंगे, जिसे वे पिछले कुछ समय से लगातार समर्थन देते आ रहे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ अच्छी सीरीज और हाल ही में वेस्टइंडीज़ पर जीत के बावजूद, दक्षिण अफ्रीका से मिली हार पिछले एक साल में गौतम गंभीर के कोच बनने के बाद भारत की तीसरी टेस्ट सीरीज हार है।

भारत ए को अफगानिस्तान ने 65 रन से हराया, दोनों के बीच फाइनल 30 को

बेंगलुरू। वीके विनीत का अर्धशतक बेकार गया और भारत ए को बृहस्पतिवार को अंडर 19 त्रिकोणीय श्रृंखला के औपचारिकता के आखिरी लीग मैच में अफगानिस्तान ने 65 रन से हरा दिया। यह टूर्नामेंट में भारत ए की दूसरी हार है । इससे पहले उसे इसी टीम ने छह विकेट से हराया था। कप्तान महबूब खान (50) और अजीजुल्लाह मियाखिल (60) के अर्धशतकों के दम पर अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर आठ विकेट पर 233 रन बनाये। जवाब में भारत ए टीम 30.2 ओवर में 168 रन पर आउट हो गई। विनीत ने 62 गेंद में 11 चौकों और एक छक्के की मदद से 63 रन बनाये।

दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच वनडे सीरीज का पहला मैच रांची में 30 को

टेस्ट में शर्मनाक हार के बाद वनडे सीरीज में लय पर लौटने टीम इंडिया बहा रही पसीना

एजेंसी ▸ रांची

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टेस्ट सीरीज खत्म होने के बाद अब वनडे सीरीज खेली जाएगी। टेस्ट सीरीज में शर्मनाक हार के बाद भारतीय टीम वनडे सीरीज में अपनी इज्जत बचाने जी-जान से जुट गई है। इसकी तैयारी के लिए गुरुवार को टीम इंडिया ने रांची में प्रैक्टिस की। इस दौरान पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली नेट्स पर बल्लेबाजी करते नजर आए। उनके अलावा तिलक वर्मा और ऋतुराज गायकवाड भी नेट्स में पसीना बहाया। तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 30 नवंबर को रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। इसके बाद टी-20 सीरीज 9 दिसंबर से शुरू होगी।

रोहित और कोहली ने नेट्स पर की बैटिंग

रोहित शर्मा और विराट कोहली करीब 9 महीने बाद भारत में इंटरनेशनल मैच खेलते नजर आएंगे। दोनों ने

इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी बार फरवरी में घरेलू मैदान पर वनडे सीरीज खेली थी। फिर दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद दोनों ने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया में सीरीज से इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी की थी। दोनों ही खिलाड़ी टेस्ट और टी-20 से रिटायर हो चुके हैं।

राहुल कप्तानी करेंगे इंडर्ज गिल बाहर

वनडे टीम की कप्तानी विकेटकीपर केएल राहुल संभालेंगे। रेगुलर कप्तान शुभमन गिल इंजरी की वजह से सीरीज से बाहर हैं। राहुल तीनों फॉर्मेट में भारत की कप्तानी कर चुके हैं। उन्होंने 2023 में आखिरी बार साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही टीम की वनडे में कप्तानी की थी, जिसमें भारत को 8 विकेट से हार मिली थी। उन्होंने 12 वनडे में टीम की कप्तानी की है। 8 में भारत को जीत और 4 में हार मिली।

वनडे सीरीज के लिए भारत का स्क्वॉड

केएल राहुल (कप्तान और विकेटकीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋतुराज गायकवाड, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), नीतीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह.

विमेंस प्रीमियर लीग 2026

9 जनवरी से शुरू होगा टूर्नामेंट मुंबई-वडोदरा में होंगे सभी मैच

एजेंसी ▸ नई दिल्ली

विमेंस प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत 9 जनवरी से हो जाएगी। दिल्ली में जारी 2026 की बड़ी

नीलामी के दौरान लीग कमिश्नर जयेश जॉर्ज ने गुरुवार 7 नवंबर) को ये जानकारी दी। आगामी संस्करण का फाइनल मैच 5 फरवरी को खेला जाएगा। दिलचस्प रूप से विमेंस प्रीमियर लीग के सभी मैच मुंबई और वडोदरा के मैदान में खेले जाएंगे। आइए इस खबर पर एक नजर डालते हैं।

वडोदरा में होगा फाइनल मैच

मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में टूर्नामेंट शुरू होगा। बता दें कि महिलाओं के विश्व कप फाइनल भी नवी मुंबई में खेला गया था । इसके बाद लीग वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में शिफ्ट होगी, जहां 5 फरवरी को फाइनल खेला जाएगा। यह पहली बार है जब विमेंस प्रीमियर लीग जनवरी-फरवरी विंडो में खेली जाएगी। बता दें कि पहले लीग के मैच फरवरी-मार्च में खेले गए थे।

जनवरी-फरवरी में इसलिए हो रहा टूर्नामेंट

पिछले साल, विमेंस प्रीमियर लीग फरवरी-मार्च में खेला गया था, लेकिन इस बार जनवर-फरवरी में इसकी विंडो तय कर दी गई है। दरअसल, पुरुषों का टी-20 विश्व कप 2026 को ध्यान में रखते हुए ये फैसला लिया गया है। वहीं जनवरी को लेकर क्रिकेट खेलने वाले देशों में डब्ल्यूपीएल के लिए संभावित स्थायी विंडो के रूप में सहमति दी गई है ताकि अन्य लीगों और आईसीसी फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम के बीच मैचों में टकराव न हो सके।

क्रिकेट बाद में...दोस्ती पहले, स्मृति के लिए जेमिमा ने छोड़ी बीबीएल

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी और हाल ही में वर्ल्ड कप जीत में अहम भूमिका निभाने वालीं जेमिमा रोड्रिग्स वुमेंस बिग बैश लीग 2025 के बाकी बचे सीजन में हिस्सा नहीं लेंगी। उनकी फ्रेंचाइजी ब्रिसबेन हीट ने पुष्टि की है कि जेमिमा भारत में ही रहेंगी ताकि अपनी करीबी दोस्त स्मृति मंधाना और उनके परिवार को मुश्किल समय में सहयोग दे सकें। स्मृति के मैनेजर तुहिन मिश्रा ने इसकी पुष्टि की। इस घटना के बाद जेमिमा ने ऑस्ट्रेलिया वापस न जाने और भारत में रहने का फैसला किया।

एफआईएच जूनियर विश्व कप

भारतीय टीम का पहला मुकाबला आज चिली से

एजेंसी ▸ चेन्नई

टूर्नामेंट के इतिहास में संयुक्त रूप से दूसरी सबसे सफल टीम मेजबान भारत आज शुक्रवार को यहां पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप के अपने पहले पूल मैच में चिली के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करके नौ साल बाद घरेलू धरती पर खिताब हासिल करने के अपने अभियान का शानदार आगाज करने की कोशिश करेगा। दो बार के चैंपियन भारत ने पिछली बार 2016 में लखनऊ में वर्तमान में सीनियर महिला टीम के कोच हरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में यह टूर्नामेंट जीता था। इस बार विश्व कप चेन्नई और मदुरै में खेला जाएगा। एफआईएच रैंकिंग में 18वें स्थान पर काबिज चिली से आज भारत को खास चुनौती मिलने की उम्मीद नहीं है, लेकिन किसी भी टीम को हल्के से लेना महंगा पड़ सकता है। इसलिए भारतीय टीम ऐसा करने से बचना चाहेगी।

टूर्नामेंट में 24 टीमें भिड़ेंगी खिताब के लिए

रिकॉर्ड 24 टीम खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। टीमों को छह ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप में चार टीमों को रखा गया है जो राउंड रोबिन आधार पर एक दूसरे का सामना करेंगी। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली टीम तथा दूसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीम क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज भारत खिताब का प्रबल दावेदार है। मौजूदा टूर्नामेंट में भारत को पूल बी में रखा गया है और वह इस ग्रुप से आगे बढ़ने का प्रबल दावेदार है। भारत और चिली के अलावा, ओमान और स्विट्जरलैंड पूल बी में शामिल अन्य टीमें हैं।

अजलन शाह कप : सेल्वम के गोल से भारत ने न्यूजीलैंड को दी शिकस्त

एजेंसी ▸ इपोह

आखिरी क्वार्टर में सेल्वम कार्ति के विजयी गोल की मदद से भारत ने सुल्तान अजलन शाह कप हॉकी के महत्वपूर्ण मैच में बृहस्पतिवार को न्यूजीलैंड को 3-2 से हराया। भारत ने कल मेजबान मलेशिया को 4-3 से मात दी थी। भारत के लिये अमित रोहिदास (चौथा मिनट), संजय (32वां), सेल्वम (54वां) ने गोल दागे जबकि न्यूजीलैंड के लिये जॉर्ज बेकर (42वां और 48वां) ने दो गोल किये। भारत को अब शनिवार को कनाडा से खेलना है।

न्यूजीलैंड को नहीं होने दिया हावी

न्यूजीलैंड ने शुरूआती मिनटों में मिडफील्ड में दबदबा बनाने की कोशिश की लेकिन भारतीय डिफेंडरों ने उन्हें मौका नहीं दिया। भारत को पहला मौका चौथे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के रूप में मिला जिस पर अनुभवी रोहिदास ने गोल कर दिया। भारतीय टीम एक और गोल करने के करीब थी लेकिन अभिषेक का शॉट कीवी गोलकीपर ने बचा लिया।

संजय, पवन, सेल्वम ने दागे गोल

दूसरे क्वार्टर में न्यूजीलैंड को एक पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन भारतीय डिफेंस बेहद चौकस था। भारत ने दूसरे हाफ में कप्तान संजय के पेनल्टी कॉर्नर पर किये गए गोल के दम पर बढत दुगुनी कर ली। न्यूजीलैंड को मिले दो पेनल्टी कॉर्नर बेकार गए। पवन ने गोल के सामने बेहतरीन प्रदर्शन किया लेकिन उनकी एकाग्रता टूटने का फायदा उठाकर बेकर ने 42वें मिनट में न्यूजीलैंड के लिये गोल कर दिया। चौथे क्वार्टर में न्यूजीलैंड के लिये उन्होंने दूसरा गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। भारत के लिये विजयी गोल आखिरी सीटी बजने से छह मिनट पहले अभिषेक के पास पर सेल्वम ने किया।

सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन

तन्वी ने ओकुहारा को हराया मनराज ने दी प्रणय को मात

लखनऊ। विश्व जूनियर चैम्पियनशिप रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा और मनराज सिंह ने सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट में बड़ा उलटफेर करते हुए क्रमशः पूर्व विश्व चैम्पियन जापान की नोजोमी ओकुहारा और एच एस प्रणय को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इस साल की शुरूआत में यूएस ओपन सुपर 300 के फाइनल में पहुंचने वाली सोलह वर्ष की तन्वी ने दूसरी वरीयता प्राप्त ओकुहारा को 59 मिनट तक चले मुकाबले में 13-21, 21-16, 21-19 से मात दी। उन्नीस वर्ष के मनराज ने 2023 विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता प्रणय को 43 मिनट में 21-15, 21-18 से हराया।

भव्या का तैराकी में सातवां स्वर्ण पदक, जैन यूनिवर्सिटी शीर्ष पर

जयपुर (भाषा)। जैन यूनिवर्सिटी की भव्या सचदेवा ने बृहस्पतिवार को यहां खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी खेलों (केआईयूजी) में व्यक्तिगत तैराकी स्पर्धाओं में दो स्वर्ण पदक जीतने के बाद महिलाओं की चार गुणा 100 मीटर मेडले रिले में एक और सोने का तमगा जीता जिससे उनके कुल पदकों की संख्या सात हो गई। भव्या ने पहले दो दिनों में एक व्यक्तिगत और एक रिले स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम परिसर में महिलाओं के 800 मी फ्रीस्टाइल वर्ग में 9:37.41 सेकेंड के समय से स्वर्ण पदक जीतने की शुरूआत की। इस साल की शुरुआत में एशियाई एक्वाटिक चैंपियनशिप पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला भव्या कुछ मिनट बाद पूल में लौटीं और 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा 2:13.55 सेकेंड के समय के साथ जीत ली। जैन यूनिवर्सिटी के तैराकों ने पूल स्पर्धाओं में दबदबा बनाते हुए 11 स्वर्ण पदकों में से आठ अपने नाम किए हैं जिससे तालिका में उसके स्वर्ण पदकों की संख्या 20 पहुंच गई है। दूसरे स्थान के लिए गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में बराबरी की टक्कर है। लवली यूनिवर्सिटी ने तीरंदाजी में तीन स्वर्ण और निशानेबाजी में एक स्वर्ण जीतकर अपने स्वर्ण पदकों की संख्या 13 तक पहुंचा दी।

चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में एमबाप्पे ने लगाई दूसरी सबसे तेज हैट्रिक

एमबाप्पे के चार गोल, रियाल मैड्रिड, पीएसजी और आर्सेनल जीते

एजेंसी ▸ पेरिस

काइलियन एमबाप्पे ने अपने जादुई खेल का शानदार नजारा पेश करते हुए चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट में दूसरी सबसे तेज हैट्रिक सहित चार गोल दागकर अपनी टीम रियाल मैड्रिड को जीत दिलाई जबकि पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) और आर्सेनल भी जीत हासिल करने में सफल रहे।

एमबाप्पे ने रियाल मैड्रिड की ओलंपियाकोस पर 4-3 की जीत में 22वें और 29वें मिनट के बीच तीन गोल किए। उन्होंने 60वें मिनट में अपना चौथा गोल किया। एमबाप्पे ने छह मिनट 42 सेकंड के अंतराल में तीन गोल किए लेकिन वह मामूली अंतर से चैंपियंस लीग की सबसे तेज हैट्रिक बनाने से चूक गए। रिकॉर्ड लिवरपूल के मोहम्मद सलाह के नाम है जिन्होंने अक्टूबर 2022 में रेंजर्स के खिलाफ छह मिनट 12 सेकंड में तीन गोल किए थे।

स्पर्धा में 5 हैट्रिक लगा चुके एमबाप्पे

एमबाप्पे की मौजूदा सत्र में चैंपियंस लीग में यह दूसरी हैट्रिक है। वह इस प्रतियोगिता में अब तक कुल पांच बार हैट्रिक लगा चुके हैं। वह वर्तमान सत्र में इस प्रतियोगिता में नौ गोल कर चुके हैं जो सर्वाधिक हैं।

अन्य मुकाबलों का ऐसा रहा परिणाम

आर्सेनल ने बायर्न म्यूनिख को 3-1 से हराकर तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन ने विटिना की हैट्रिक की मदद से टॉटेनहैम को 5-3 से हराया लेकिन लिवरपूल को एनफील्ड में पीएसवी आइंडहोवन के हाथों 4-1 से हार का सामना करना पड़ा। इंटर मिलान को भी एटलेटिको मैड्रिड के हाथों 2-1 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद अब केवल आर्सेनल ऐसी टीम रह गई है जिसने चैंपियंस लीग में अभी तक अपने सभी पांच मैच जीते हैं।

हर दिन बदलते युद्ध के तरीके

-फ्यूचर वॉरफेयर के मुताबिक सेना को तैयार रहना ही होगा- CDS अनिल चौहान

नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) जनरल अनिल चौहान ने कहा है कि युद्ध के तरीके लगातार बदल रहे हैं और भारतीय सेना के पास भविष्य के युद्ध (फ्यूचर वॉरफेयर) को ध्यान में रखकर खुद को तैयार करने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि आज जो सैन्य कॉन्सेप्ट भविष्य के लगते हैं, वे लागू होने से पहले ही पुराने पड़ सकते हैं। ऐसे में यह एक ऐसा जोखिम है, जिसे सेना को उठाना ही पड़ता है। जनरल अनिल चौहान गुरुवार को नई दिल्ली के सैम मॉनेकशॉ सेंटर में आयोजित चाणक्य डिफेंस डायलॉग में बोल रहे थे। उनके संबोधन का विषय था— "फ्यूचर वॉर्स: मिलिट्री पावर के जरिए स्ट्रेटेजिक पोस्चरिंग"। उन्होंने कहा कि युद्ध केवल हथियारों या तकनीक का खेल नहीं रह गया है, बल्कि यह तेजी से बदलते कॉन्सेप्ट, रणनीति और क्षमताओं का मिश्रण बन चुका है। ऐसे माहौल में भविष्य का अनुमान लगाना, उसकी तैयारी करना और खुद को अनुकूल बनाना देश की सुरक्षा और सेना के अस्तित्व से सीधे तौर पर जुड़ जाता है। CDS ने कहा कि आधुनिक युद्ध अब केवल पारंपरिक सीमाओं तक सीमित नहीं है। साइबर डोमेन, स्पेस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर और सूचना युद्ध जैसे नए आयाम लगातार सैन्य रणनीति को नया रूप दे रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सेनाएं समय रहते बदलाव को नहीं अपनातीं, तो वे जल्द ही अप्रासंगिक हो सकती हैं। इसलिए सैन्य सुधार और परिवर्तन आज की जरूरत है, न कि भविष्य की योजना।

राष्ट्रपति मुर्मू ने किया उद्घाटन, सेना प्रमुख का कीनोट एड्रेस-

इससे पहले चाणक्य डिफेंस डायलॉग के उद्घाटन सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शामिल हुईं। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा, आत्मनिर्भर भारत और रक्षा क्षेत्र में सुधारों के महत्व पर जोर दिया। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत को एक मजबूत, आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार रक्षा तंत्र की आवश्यकता है, ताकि उभरती चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सके। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने डायलॉग में कीनोट एड्रेस दिया। उन्होंने रक्षा सुधारों, संयुक्तता (जॉइंटनेस) और थियेटर कमांड जैसे मुद्दों पर विचार रखे। उनका कहना था कि बदलते रणनीतिक माहौल में तीनों सेनाओं—थलसेना, नौसेना और वायुसेना—के बीच बेहतर तालमेल और एकीकृत दृष्टिकोण अनिवार्य है।

डायलॉग 2025 की थीम: "रिफॉर्म टू ट्रांसफॉर्म"-

चाणक्य डिफेंस डायलॉग 2025 की थीम रखी गई है— "रिफॉर्म टू ट्रांसफॉर्म: सशक्त और सुरक्षित भारत"। इस थीम के जरिए यह संदेश दिया गया कि केवल छोटे-मोटे बदलाव काफी नहीं हैं, बल्कि व्यापक और दूरगामी सुधारों के जरिए ही भारत अपनी सैन्य शक्ति को वास्तव में रूपांतरित कर सकता है। डायलॉग के पहले दिन तीन अहम थीमैटिक सेशन आयोजित किए गए, जिनमें वरिष्ठ नीति निर्माता, रक्षा क्षेत्र के शीर्ष अधिकारी, रणनीतिक विशेषज्ञ और उद्योग जगत के प्रतिनिधि शामिल हुए। इन सत्रों में राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिवर्तन से जुड़े कई अहम मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। पहला सत्र "ऑपरेशन सिंदूर: एक सॉवरेन स्ट्रेटेजिक जीत" पर केंद्रित रहा, जिसमें भारत की रणनीतिक क्षमता और निर्णय लेने की शक्ति पर बात की गई। दूसरा सत्र "चेंजिंग स्टेटस क्वो: डिफेंस रिफॉर्म्स को जरूरी बनाना" था, जिसमें मौजूदा व्यवस्थाओं में बदलाव और सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया गया। तीसरा सत्र "सिविल-मिलिट्री फ्यूजन: ड्राइवर्स फॉर चेंज" विषय पर हुआ, जिसमें सिविल और मिलिट्री संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय को भविष्य की सुरक्षा के लिए अहम बताया गया।

भविष्य की चुनौतियां और भारत का रास्ता-

हर सत्र में इस बात पर सहमति जताई गई कि आज की सुरक्षा चुनौतियां पहले से कहीं ज्यादा जटिल और बहुआयामी हैं। सीमाओं पर परंपरागत खतरे बने हुए हैं, वहीं गैर-पारंपरिक चुनौतियां तेज़ी से उभर रही हैं। ऐसे में भारत को न सिर्फ सैन्य ताकत बढ़ानी होगी, बल्कि रणनीतिक सोच, तकनीकी नवाचार और नीतिगत सुधारों के जरिए अपने स्ट्रेटेजिक पोस्चर को मजबूत करना होगा। CDS जनरल अनिल चौहान के शब्दों में, भविष्य के युद्ध की तैयारी कोई विकल्प नहीं, बल्कि मजबूरी है। यही संदेश चाणक्य डिफेंस डायलॉग के मंच से पूरे देश और रक्षा जगत को दिया गया—कि बदलते युद्ध के दौर में वही राष्ट्र सुरक्षित रहेगा, जो बदलाव को समय रहते अपनाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी का कर्नाटक-गोवा दौरा:

-गीता पाठ और दुनिया की सबसे ऊंची श्रीराम प्रतिमा का अनावरण

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को कर्नाटक और गोवा के अपने दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे। कर्नाटक में उनकी शुरुआत उडुपी से हुई, जहां उन्होंने एक भव्य रोड शो में हिस्सा लिया। इस रोड शो में भारी जनसैलाब उमड़ा और लोगों ने पीएम मोदी का स्वागत झंडों और फूलों से किया। इस दौरान मोदी ने जनता को संबोधित करते हुए धार्मिक और सांस्कृतिक महत्त्व के मुद्दों पर जोर दिया। उडुपी में प्रधानमंत्री श्री कृष्ण मठ पहुंचे, जहां उन्होंने एक भक्ति सभा में हिस्सा लिया। इस सभा का विशेष आकर्षण था श्रीमद्भगवद गीता का सामूहिक पाठ। लगभग एक लाख लोगों के साथ यह पाठ किया गया, जिसमें श्रद्धालु भगवान कृष्ण की शिक्षाओं और गीता के संदेशों को सुनने और समझने के लिए उपस्थित हुए। इस अवसर पर पीएम मोदी ने सुवर्ण तीर्थ मंडप का भी उद्घाटन किया। साथ ही, उन्होंने पवित्र कनकना किंडी के लिए तैयार किए गए स्वर्ण कवच को समर्पित किया। यह आयोजन धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया। कर्नाटक में अपने कार्यक्रमों के बाद प्रधानमंत्री मोदी शाम को गोवा के कैनाकोना पहुंचे। यहां वे श्री संस्थान गोकर्ण जीवोत्तम मठ में भगवान राम की 77 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा का अनावरण करेंगे। इस प्रतिमा को प्रसिद्ध मूर्तिकार राम सुतार ने बनाया है, जिन्होंने पहले गुजरात में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण किया था। यह प्रतिमा दुनिया की सबसे ऊंची श्रीराम प्रतिमा के रूप में जानी जाती है। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम के दौरान मठ में एक विशेष स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया जाएगा। दोपहर करीब 3:15 बजे पीएम मोदी मठ पहुंचे, जो गौड़ सारस्वत ब्राह्मण वैष्णव परंपरा का पहला प्रमुख केंद्र माना जाता है और द्वैत क्रम का पालन करता है। मठ का मुख्यालय परतगली कस्बे में स्थित है, जो कुशावती नदी के किनारे बसा हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे का उद्देश्य धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों को प्रोत्साहित करना और लोगों को उनके सांस्कृतिक धरोहर से जोड़ना बताया गया है। मठ परिसर में विकसित 'रामायण थीम पार्क गार्डन' का उद्घाटन भी प्रधानमंत्री करेंगे, जिससे क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इस थीम पार्क में रामायण के विभिन्न प्रसंगों को प्रदर्शित किया गया है, जो बच्चों और श्रद्धालुओं दोनों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों राज्यों में अपनी उपस्थिति से जनता और श्रद्धालुओं को प्रेरित किया। उनका यह दौरा धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

देश में मौसम का डबल वार: राजस्थान में बारिश और कोहरा

-पहाड़ों में माइनस से नीचे गिरा तापमान

नई दिल्ली। देश के अलग-अलग हिस्सों में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। कहीं बारिश ने सर्दी के असर को अस्थायी रूप से कम किया है तो कहीं पहाड़ों में कड़ाके की ठंड जनजीवन को प्रभावित कर रही है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में मौसम के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं।

राजस्थान में बारिश और कोहरे का असर-

राजस्थान के कई शहरों में शुक्रवार सुबह मौसम बदला नजर आया। राजधानी जयपुर के साथ सीकर, ब्यावर और पाली में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा उदयपुर और अजमेर संभाग के जिलों में भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। कई इलाकों में सुबह से ही बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है, जिसकी वजह से यह बदलाव देखने को मिल रहा है। बारिश के चलते फिलहाल सर्दी का असर कुछ हद तक कम हो गया है और रात के तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। हालांकि मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि यह राहत ज्यादा दिन टिकने वाली नहीं है। 29 और 30 नवंबर को राज्य के कई हिस्सों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 1 दिसंबर से एक बार फिर शीतलहर का दौर शुरू होने की संभावना जताई गई है, जिससे तापमान में तेज गिरावट हो सकती है।

मध्य प्रदेश में फिलहाल राहत, आगे सर्दी का अनुमान-

मध्य प्रदेश में भी पहाड़ी इलाकों से आने वाली ठंडी हवाओं का असर फिलहाल कमजोर पड़ गया है। इसका असर यह हुआ कि दिन के समय गर्मी का एहसास होने लगा है। गुरुवार को भोपाल, इंदौर और उज्जैन समेत 20 से ज्यादा शहरों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक दर्ज किया गया।

हालांकि मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि दिसंबर की शुरुआत से प्रदेश में तापमान धीरे-धीरे गिरने लगेगा और सर्दी का असर बढ़ेगा। उत्तरी भारत से आने वाली ठंडी हवाओं के सक्रिय होते ही रातें एक बार फिर ठंडी हो जाएंगी।

उत्तराखंड में कड़ाके की ठंड, तापमान माइनस में-

उत्तराखंड में हालात बिल्कुल अलग हैं। चार धाम क्षेत्रों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है और तापमान माइनस 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है। गुरुवार को केदारनाथ में न्यूनतम तापमान -14 डिग्री, बद्रीनाथ और गंगोत्री में -13 डिग्री तथा यमुनोत्री में -9 डिग्री दर्ज किया गया। इसके अलावा आदि कैलाश में पारा -15 डिग्री तक पहुंच गया है।

इस भीषण ठंड के कारण नदी, झील और झरने जम गए हैं। कई इलाकों में लोग बर्फ पिघलाकर पीने के पानी की व्यवस्था कर रहे हैं। ठंड से जनजीवन पूरी तरह प्रभावित है।

हॉन्गकॉन्ग में भीषण आग: 94 मौतें, 280 लापता, 76 घायल

-सरकार ने शुरू की क्रिमिनल जांच

हॉन्ग कॉन्ग (एजेंसी)। हॉन्गकॉन्ग के ताइ पो जिले में बुधवार को हुए भयानक आग हादसे ने पूरे शहर को हिला कर रख दिया है। इस रिहायशी कॉम्प्लेक्स में लगी आग से अब तक 94 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 280 से ज्यादा लोग लापता हैं। इस हादसे में 76 लोग घायल भी हुए हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि हताहतों की संख्या और बढ़ सकती है क्योंकि अभी भी कई लोग इमारत के अंदर फंसे हुए हैं और राहत एवं बचाव कार्य जारी है। इस हादसे की गंभीरता को देखते हुए हॉन्गकॉन्ग सरकार ने इसकी क्रिमिनल जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कॉम्प्लेक्स में निर्माण कार्य के दौरान नियमों का उल्लंघन हुआ। पुलिस ने मामले में ठेकेदार समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उन्होंने सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया और ऐसे निर्माण सामग्री का उपयोग किया, जो आग फैलने के लिए अत्यंत ज्वलनशील थी। अधिकारियों के मुताबिक, आग की तीव्रता में मुख्य भूमिका स्टायरोफोम जैसी ज्वलनशील सामग्री और इमारत की बाहरी जाली ने निभाई। आग इतनी तेजी से फैली कि फ्लैट्स और गलियारों में लोगों के फंसे रहने का खतरा बढ़ गया। स्थानीय अधिकारियों और दमकल विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं, लेकिन आग की तीव्रता के कारण बचाव कार्य में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। जानकारी मिली है कि यह रिहायशी कॉम्प्लेक्स जुलाई 2024 से निर्माणाधीन था। निर्माण के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन न करना और आपातकालीन निकासी मार्गों की अनुपलब्धता ने इस हादसे को और भी गंभीर बना दिया। कई स्थानीय निवासियों और मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए राहत कार्य जारी है। हॉन्गकॉन्ग के प्रशासन ने मृतकों के परिवारों को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया है।

ED ने भारत-म्यांमार बॉर्डर पर ड्रग तस्करी नेटवर्क का किया भंडाफोड़

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने गुरुवार को मिजोरम में भारत-म्यांमार बॉर्डर पर ड्रग तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पहली बार छापेमारी की। यह कार्रवाई ड्रग सिंडिकेट और उससे जुड़े हवाला नेटवर्क के खिलाफ एक बड़ा कदम मानी जा रही है। ED ने मिजोरम के चंफाई और आइजोल में तलाशी ली, साथ ही असम के करीमगंज जिले के श्रीभूमि और गुजरात के अहमदाबाद में भी छापेमारी की। ED ने इस कार्रवाई में पूर्वोत्तर राज्यों में ड्रग कॉरिडोर का खुलासा किया। एजेंसी के अनुसार, इस नेटवर्क को चलाने वाले हवाला ऑपरेटर असम, मिजोरम, नगालैंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और दिल्ली में फैले हुए थे। इनके खातों में कुल ₹52.8 करोड़ पाए गए। छापेमारी में 35 लाख रुपए नकद, कई डिजिटल डिवाइस और महत्वपूर्ण दस्तावेज भी बरामद किए गए। एजेंसी के मुताबिक, गुजरात पूरे ड्रग सिंडिकेट का शुरुआती केंद्र था। यहां से मेथाम्फेटामाइन जैसी सिंथेटिक ड्रग बनाने में इस्तेमाल होने वाले प्रीकर्सर रसायन मिजोरम भेजे जाते थे। मिजोरम का चंफाई इस सिंडिकेट का सबसे अहम केंद्र था, क्योंकि गुजरात से आए रसायन यहीं पहुंचते थे। चंफाई से प्रीकर्सर रसायनों को छोटे पार्सल, वाहनों और कैरियर्स के जरिए म्यांमार के चिन राज्य तक तस्करी किया जाता था। वहां अवैध लैब्स में इन रसायनों का इस्तेमाल करके सिंथेटिक ड्रग्स तैयार की जाती थीं। तैयार ड्रग्स फिर उसी चंफाई रूट के माध्यम से भारत में वापस आती और देशभर में सप्लाई होती थीं। इस पूरे नेटवर्क में मनी लॉन्ड्रिंग का भी बड़ा तंत्र काम कर रहा था। हवाला ऑपरेटरों के जरिए अवैध धन को कई राज्यों में स्थानांतरित किया जाता था। ED ने इस नेटवर्क का खुलासा करते हुए इसे न सिर्फ ड्रग तस्करी, बल्कि मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर मामले के रूप में देखा। छापेमारी में मिली डिजिटल सामग्री और दस्तावेज़ से यह संकेत मिले हैं कि ड्रग सिंडिकेट के संचालन में कई उच्चस्तरीय लोग शामिल थे। ED की इस कार्रवाई से उम्मीद है कि पूर्वोत्तर और मिजोरम के ड्रग कॉरिडोर पर बड़ा अंकुश लगेगा। विशेष रूप से चंफाई को ड्रग तस्करी का हब माना जा रहा था। ED ने बताया कि गुजरात से आए प्रीकर्सर रसायन सीधे चंफाई पहुंचते थे, जहां उनका ट्रांसपोर्ट म्यांमार की अवैध लैब्स तक किया जाता था। म्यांमार से तैयार ड्रग्स वापस भारत आती और इसके वितरण के लिए पूरे पूर्वोत्तर में नेटवर्क मौजूद था। यह रेड भारत-म्यांमार बॉर्डर पर पहली बार ED द्वारा की गई है, जो ड्रग तस्करी के खिलाफ एक बड़ा संकेत है। इस कार्रवाई से यह साफ हो गया है कि ड्रग सिंडिकेट को सिर्फ राज्य सीमाओं तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे पूर्वोत्तर और देशव्यापी स्तर पर फैला हुआ था। ED का कहना है कि आने वाले समय में इस नेटवर्क के अन्य पहलुओं की भी जांच की जाएगी और इससे जुड़े सभी लोग कानून के दायरे में लाए जाएंगे। यह कार्रवाई ड्रग तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग के खिलाफ केंद्र और राज्य सरकारों की साझा रणनीति का हिस्सा है, जो देश में नशे की समस्या को रोकने और इसे जड़ से खत्म करने के प्रयास को मजबूत करेगी।

पुतिन का दावा:

-रूस कभी यूरोप पर हमला नहीं करेगा, लिखित आश्वासन देने को तैयार

बिश्केक (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने साफ कहा है कि रूस कभी भी यूरोप पर हमला नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि अगर यूरोप चाहे तो वह इस बात का लिखित आश्वासन देने के लिए तैयार हैं। पुतिन ने यूरोप पर रूसी हमले की आशंका को पूरी तरह बकवास करार दिया और इसे निराधार बताया। उन्होंने यूरोपीय नेताओं पर भी निशाना साधा और कहा कि वे केवल हथियार बनाने वाली कंपनियों के दबाव में हैं। पुतिन ने आरोप लगाया कि यूरोपीय नेता अपने राजनीतिक और आर्थिक फायदे के लिए जनता के सामने झूठा वहम पैदा कर रहे हैं। उनका कहना था कि यूरोप में युद्ध की आशंका फैलाकर सिर्फ हथियार उद्योग को फायदा पहुंचाया जा रहा है। पुतिन के इस बयान से पहले मंगलवार को जर्मनी के विदेश मंत्री योहान वेडफुल ने रूस पर NATO देशों पर हमले की योजना बनाने का आरोप लगाया था। वेडफुल ने जर्मन खुफिया एजेंसियों के हवाले से कहा था कि रूस अगले चार साल में किसी NATO देश पर हमला कर सकता है और 2029 तक रूस NATO के खिलाफ युद्ध की तैयारी कर रहा है। रूस और यूरोप के बीच यह बयानबाजी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका, यूरोप और यूक्रेन के बीच रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए नई शांति योजना पर चर्चा चल रही है। पुतिन का यह बयान एक तरह से यूरोप और पश्चिमी देशों को आश्वस्त करने और रूस की सुरक्षा नीतियों को स्पष्ट करने के तौर पर देखा जा रहा है।

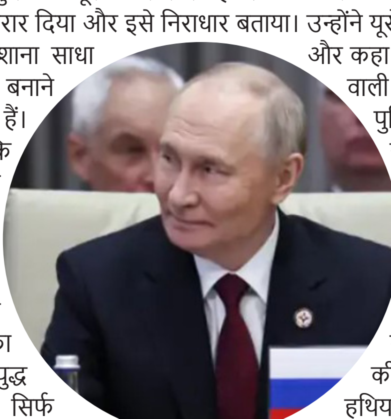

अमेरिका ने 19 गरीब देशों से इमिग्रेशन पर कड़ी रोक लगाने की तैयारी- ट्रम्प का बड़ा ऐलान

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हाल ही में अपनी सोशल मीडिया साइट 'ट्रुथ सोशल' पर एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। उन्होंने कहा कि अमेरिका थर्ड वर्ल्ड कंट्री यानी आर्थिक रूप से कमजोर देशों से आने वाली हर तरह की इमिग्रेशन को हमेशा के लिए रोकने जा रहा है। ट्रम्प का यह ऐलान थैंक्स गिविंग के मौके पर किया गया। उनका कहना है कि अमेरिकी इमिग्रेशन नीतियों में और भी सख्ती लानी होगी ताकि देश की सुरक्षा और आर्थिक मजबूती को बनाए रखा जा सके। ट्रम्प ने अपने पोस्ट में स्पष्ट किया कि अमेरिका के लिए फायदेमंद नहीं होने वाले लोग और जो देश से सच्चा प्यार नहीं करते, उन्हें भी अमेरिका से निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि टेक्निकल डेवलपमेंट और आधुनिक प्रगति के बावजूद, वर्तमान इमिग्रेशन नीतियां अमेरिकी उपलब्धियों को कमजोर कर रही हैं और कई लोगों की जिंदगी पर नकारात्मक असर डाल रही हैं। इस कदम का मकसद देश की सुरक्षा को मजबूत करना और अस्थिरता फैलाने वाले प्रवासियों को रोकना है। यह घोषणा उस समय आई है जब व्हाइट हाउस के पास दो नेशनल गार्ड सैनिकों पर एक अफगान नागरिक ने गोली चलाई थी। ट्रम्प ने इसे क्रूर और भयावह आतंकी हमला बताया और कहा कि इसमें शामिल सभी लोग इसकी भारी कीमत चुकाएंगे। इसके बाद उन्होंने अमेरिका में अफगान शरणार्थियों की एंट्री तुरंत रोक दी थी। अब इस नीति के तहत 19 देशों से आने वाले प्रवासियों की कड़ी जांच की जाएगी। ट्रम्प की इस नई इमिग्रेशन नीति का मुख्य उद्देश्य देश में सुरक्षा बढ़ाना और अमेरिका की उपलब्धियों को बचाना है। उनका यह कदम विवादों के बीच आया है क्योंकि यह सीधे गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर देशों से आने वाले शरणार्थियों को प्रभावित करता है।

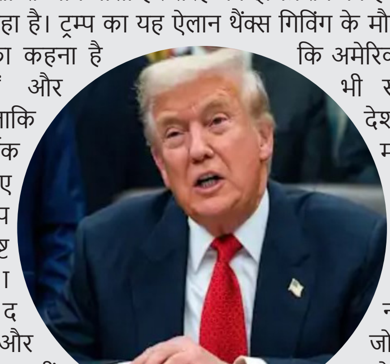

20 दिन में 26 BLO की मौत पर कांग्रेस का हमला:

-SIR को बताया वोट चोरी का हथियार, EC और सरकार से जवाब तलब

नई दिल्ली। कांग्रेस ने विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) प्रक्रिया को लेकर चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्टी का कहना है कि इस प्रक्रिया के दौरान अत्यधिक कार्य दबाव के कारण 20 दिनों में 26 बूथ लेवल अधिकारियों (BLO) की मौत हुई है, जो किसी "दिनदहाड़े मर्डर" से कम नहीं है। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने इसे लोकतंत्र के लिए खतरनाक बताते हुए कहा कि इतनी कम समय-सीमा में SIR कराने की जल्दबाजी समझ से परे है और इसके पीछे वोटरों को सूची से बाहर करने का इरादा साफ दिखता है। सुप्रिया श्रीनेत ने उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में तैनात BLO विपिन यादव का उदाहरण देते हुए बताया कि उनके परिवार का कहना है कि उन पर वोटर लिस्ट से पिछड़े वर्ग के लोगों के नाम हटाने का दबाव था। उन्होंने कहा कि यह कोई राजनीति से गढ़ी गई कहानी नहीं, बल्कि देश के सामने मौजूद एक कड़वा सच है। अगर BLO पर असहनीय दबाव डालकर काम कराया जाएगा तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? उन्होंने सवाल उठाया कि लोकतंत्र की नींव माने जाने वाले चुनावी ढांचे में काम कर रहे कर्मचारियों की जान की कीमत क्या इतनी सस्ती है? कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि SIR प्रक्रिया का इस्तेमाल वोट चोरी के एक "सबसे ताकतवर हथियार" के रूप में किया जा रहा है। सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि अगर चुनाव आयोग को सचमुच पारदर्शिता चाहिए तो उसे राजनीतिक दलों और राज्य सरकारों को पर्याप्त समय देना चाहिए। उन्होंने मांग की कि SIR को चरणबद्ध तरीके से, पर्याप्त तैयारी और मानवीय दृष्टिकोण के साथ लागू किया जाए, न कि जबरन और जल्दबाजी में। इस पूरे मामले पर तृणमूल कांग्रेस (TMC) भी खुलकर सामने आई है। चुनाव आयोग ने TMC को शुक्रवार की बैठक के लिए बुलाया है। पार्टी का प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार सुबह 11 बजे आयोग से मुलाकात कर SIR को लेकर अपनी आपत्तियां दर्ज करा सकता है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहले ही SIR प्रक्रिया को लेकर केंद्र और चुनाव आयोग पर पक्षपातपूर्ण रवैये का आरोप लगा चुकी हैं। मामला अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। बुधवार को शीर्ष अदालत में तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और केरल सरकार की ओर से SIR के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई हुई। इस दौरान चुनाव आयोग ने अदालत में कहा कि कुछ राजनीतिक दल जानबूझकर SIR को लेकर डर का माहौल बना रहे हैं और जनता को भ्रमित किया जा रहा है। आयोग का तर्क था कि वोटर लिस्ट की शुचिता बनाए रखने के लिए यह प्रक्रिया जरूरी है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने केरल सरकार की याचिका पर केंद्र और राज्य चुनाव आयोग को 1 दिसंबर तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। इस मामले की अगली सुनवाई 2 दिसंबर को होगी। वहीं, तमिलनाडु की याचिका पर 4 दिसंबर और पश्चिम बंगाल की याचिका पर 9 दिसंबर को सुनवाई तय की गई है। संयोग से इसी दिन चुनाव आयोग की ओर से राज्यों की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट भी जारी की जानी है। पीठ ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि राज्य सरकारें मजबूत और ठोस आधार प्रस्तुत करती हैं तो अदालत चुनाव आयोग को तारीख बढ़ाने का निर्देश दे सकती है। हालांकि, अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि केवल यह तर्क कि SIR पहले कभी नहीं हुआ।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,